www.bharatsamvad.live
R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 33.c

27.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 91.900g

चांदी 91.500kg

नवरात्रि पांचवां दिन

माता स्कंदमाता

रंग : सफेद

देवी भागवत में कहा गया है कि माता स्कंदमाता का प्राकट्य मां गौरी से ही हुआ है, इसलिए उनका रंग धवल यानी सफेद है।

2 अभिव्यक्ति की आजादी के फर्जी चैंपियन, मुफ्त में प्रचार में खुद की फजीहत

कॉलेज में प्रवक्ता और चपरासी से मारपीट 04

वर्ष :08 | अंक :281 | मुंबई ,गुरूवार , 03 अप्रैल, 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

आंध्र प्रदेश में बर्ड फ्लू से बच्ची की मौत

आंध्र प्रदेश में पिछले माह दो साल की बच्ची की बर्ड फ्लू से मौत हो गई। बुधवार को एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बच्ची की मृत्यु 15 मार्च को हुई थी और बाद में पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) ने उसके नमूने की जांच में बर्ड फ्लू संक्रमण की पुष्टि की। अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, एम्स-मंगलागिरी में इलाज के दौरान लड़की की बर्ड फ्लू से मौत हो गई। हालांकि, अधिकारी ने कहा कि पूरे परिवार में केवल बच्चे को ही बर्ड फ्लू हुआ है, जिससे अधिकारी हैरान हैं। उन्होंने कहा कि पालनाडु जिले में बर्ड फ्लू का कोई मामला सामने नहीं आया है और हम यह पता नहीं लगा सके कि लड़की कैसे संक्रमित हुई। यह पूछे जाने पर कि क्या बच्ची ने बिना पका चिकन खाया था तो अधिकारी ने कहा कि उसके परिजनों ने ऐसी बात कही थी और इसी कारण इसे (बर्ड फ्लू का) संभावित मामला माना गया। परिवार के सदस्यों ने बताया कि लड़की कभी-कभी बिना पके चिकन के एक या दो टुकड़े खा लेती थी और संक्रमण का लक्षण दिखाई देने से पहले भी उसने चिकन का एक टुकड़ा खाया था।

विशाखापत्तनम में एक व्यक्ति ने महिला का गला रेता, बेटी पर भी हमला किया

विशाखापत्तनम में एक व्यक्ति ने अपने घर में एक महिला का कथित रूप से गला रेत कर उसकी हत्या कर दी और उसकी बेटी को भी घायल कर दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, हमलावर कथित तौर पर महिला की बेटी से प्रेम करता था। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान नवीन (25) के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि जिस महिला का गला रेता उसकी पहचान लक्ष्मी (43) और उसकी बेटी की पहचान दीपिका गायत्री (20) के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार, लक्ष्मी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दीपिका को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने पीटीआई-भाषा को बताया, हम अपराध स्थल से एकत्र किए गए साक्ष्यों की जांच कर रहे हैं और उन्हें फोरेंसिक लैब भेज दिया है। इसके अतिरिक्त, हम सीसीटीवी वीडियो की भी जांच कर रहे हैं। आरोपी फरार है और उसे पकड़ने के लिए टीम गठित की गई हैं। उसने बताया कि संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

लोकसभा में पेश हुआ वक्फ संशोधन विधेयक

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोड ने दी देशव्यापी आंदोलन की धमकी

वक्फ (संशोधन) विधेयक

▶▶ सैयद कासिम रसूल इलियास ने कहा कि अगर यह विधेयक संसद में पारित हो जाता है, तो हम इसके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन शुरू करेंगे। हम चुप नहीं बैठेंगे। हम अपने पास उपलब्ध सभी कानूनी और संवैधानिक प्रावधानों का इस्तेमाल करेंगे।

एजेंसी

नयी दिल्ली। वक्फ (संशोधन) विधेयक को लोकसभा में विचार एवं पारित करने के लिए रखा गया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इसे पेश किया। इसको लेकर लगातार विपक्ष विरोध कर रहा है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने भी इसका लगातार विरोध किया है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना मोहम्मद फजलुर रहीम मुजद्दिदी ने कहा कि जेपीसी द्वारा संशोधनों को मंजूरी मिलने से मामला और जटिल हो गया है। जेपीसी महज एक फरेब है और एक धोखा है। एआईएमपीएलबी के प्रवक्ता डॉ. सैयद कासिम रसूल इलियास ने कहा कि यह विधेयक भेदभावपूर्ण और सांप्रदायिक रूप से प्रेरित है। दुख की बात है कि विपक्षी सदस्यों द्वारा उठाए गए बिंदुओं पर भी जेपीसी ने विचार नहीं किया।

अल्पसंख्यकों को अलग-थलग करने की कोशिश, वक्फ बिल पर बोले गौरव गोगोई

लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने वक्फ संशोधन विधेयक पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि क्या अल्पसंख्यक मंत्रालय ने ये बिल बनाया है, या किसी और विभाग ने बनाया है? ये बिल कहाँ से आया? आज देश में अल्पसंख्यकों की हालत ऐसी हो गई है कि आज सरकार को उनके धर्म का सर्टिफिकेट देना पड़ेगा। क्या वो दूसरे धर्मों से सर्टिफिकेट मांगेंगे कि आपने पाँच साल पूरे किए हैं या नहीं? इस बिल में ऐसा क्यों पूछा जा रहा है? सरकार धर्म के इस मामले में क्यों दखल दे रही है।

देशव्यापी आंदोलन की धमकी

सैयद कासिम रसूल इलियास ने कहा कि अगर यह विधेयक संसद में पारित हो जाता है, तो हम इसके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन शुरू करेंगे। हम चुप नहीं बैठेंगे। हम अपने पास उपलब्ध सभी कानूनी और संवैधानिक प्रावधानों का इस्तेमाल करेंगे। जब तक प्रस्तावित संशोधन वापस नहीं लिए जाते, हम शांतिपूर्ण आंदोलन चलाएंगे। लोकसभा में कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि इस तरह का विधेयक (वक्फ संशोधन विधेयक) जिसे आप सदन में ला रहे हैं, कम से कम सदस्यों को संशोधन करने का अधिकार तो होना चाहिए। आप कानून को जबरन थोप रहे हैं।

विपक्ष चाहता है कि इनके राज में जो मिलीभगत चली वो चलती रहे, वो नहीं चलेगा : शाह

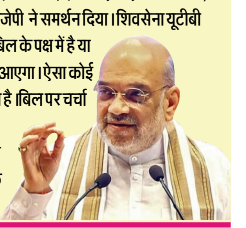

नई दिल्ली, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को वक्फ संशोधन बिल 2024 लोकसभा में पेश किया। किरण रिजिजू ने इसे उम्मीद (यूनीफाइड वक्फ मैनेजमेंट इम्पावरमेंट, इफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट) नाम दिया है। बिल को केंद्र की सरकार में शामिल टीडीपी जेडीयू एलजेपी ने समर्थन दिया। शिवसेना यूटीबी सांसद अरविंद सांसद ने अपने भाषण में ये क्लियर नहीं किया कि वे बिल के पक्ष में है या विरोध में। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- वक्फ में गैर इस्लामिक नहीं आएगा। ऐसा कोई प्रोविजन भी नहीं है। वोट बैंक के लिए माइनोरिटीज को डराया जा रहा है। बिल पर चर्चा में रिजिजू ने 58 मिनट अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली वढअ सरकार ने 5 मार्च 2014 को 123 प्राइम प्रॉपर्टी को दिल्ली वक्फ बोर्ड को ट्रांसफर कर दीं। ऐसा लोकसभा चुनाव से ठीक पहले अल्पसंख्यक वोटों के लिए किया गया, पर चुनाव हार गए।

किरेन रीजीजू का दावा

इससे पहले केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को चर्चा और पारित कराने के लिए पेश करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती संप्रग सरकार ने वक्फ कानून में बदलावों के जरिये इसे अन्य कानूनों से ऊपर कर दिया था, इसलिए इसमें नये संशोधनों की जरूरत पड़ी। रीजीजू ने सदन में विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि आपने उन मुद्दों पर लोगों को गुमराह करने की कोशिश की, जो वक्फ विधेयक का हिस्सा नहीं हैं।

सुनीता विलियम्स को भारत रत्न देने की मांग, राज्यसभा में तृणमूल सांसद ने उठाई आवाज

एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने बुधवार को भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की मांग की। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए पार्टी सांसद नदीमुल हक ने कहा कि देश को विलियम्स और बुच विल्मोर की उपलब्धियों पर गर्व है, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर नौ महीने बिताने के बाद मार्च के अंत में पृथ्वी पर लौट आए हैं, सरकार को उन्हें सम्मानित करने पर विचार करना चाहिए। सदन में शून्यकाल के दौरान अपने विचार रखते हुए उन्होंने गुजरात के एक दिवंगत भाजपा नेता के बारे में भी कुछ टिप्पणियां कीं, जिन्हें बाद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और भाजपा के अन्य सदस्यों द्वारा आपत्ति जताए जाने के बाद अध्यक्ष ने हटा दिया। सत्र की अध्यक्षता कर रहे उपसभापति हरिवंश ने कहा कि हक के भाषण से अप्रासंगिक अंश हटा दिए जाएंगे। विलियम्स (59) के लिए भारत रत्न की मांग करते हुए हक ने कहा कि भारत में उनकी सफलता का हमेशा जश्न मनाया जाता रहा है। उन्हें भारत रत्न देना सबसे बड़ा जश्न होगा।

> सदन में शून्यकाल के दौरान अपने विचार रखते हुए उन्होंने गुजरात के एक दिवंगत भाजपा नेता के बारे में भी कुछ टिप्पणियां कीं, जिन्हें बाद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और भाजपा के अन्य सदस्यों द्वारा आपत्ति जताए जाने के बाद अध्यक्ष ने हटा दिया

पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश ने सबसे ज्यादा रिहा किए विचाराधीन कैदी: गृह मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली: लोकसभा में गृह मंत्रालय ने 2023 (बीएनएसएस) की धारा 479 (1) के तहत विचाराधीन कैदियों को रिहा करने के बारे में जानकारी दी. गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने कहा कि पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (बीएनएसएस) की धारा 479 (1) के तहत सबसे अधिक संख्या में विचाराधीन कैदियों को रिहा किया है.लोकसभा में गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने कहा कि 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर गृह मंत्रालय ने एक विशेष अभियान शुरू किया था, जिसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) से अनुरोध किया गया कि वे बीएनएसएस की धारा 479 के प्रावधानों के तहत पात्र विचाराधीन कैदियों की पहचान करें और उनकी जमानत और बॉन्ड पर रिहाई के लिए संबंधित न्यायालयों में उनके आवेदन प्रस्तुत करें.26 नवंबर 2024 तक बीएनएसएस की धारा 479 के प्रावधानों के तहत 951 पात्र कैदियों की पहचान की गई और 334 को न्यायालय द्वारा जमानत दी गई. पश्चिम बंगाल 98 कैदियों के साथ अधिकतम कैदियों को रिहा करने वाले राज्यों की सूची में शीर्ष पर है. उसके बाद उत्तर प्रदेश ने 51 और मध्य प्रदेश ने 37 कैदियों को रिहा किया है. बिहार और दिल्ली ने 28-28 कैदियों को रिहा किया है, जबकि महाराष्ट्र ने 22 और झारखंड ने 14 कैदियों को रिहा किया.भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (बीएनएसएस) की धारा 479 (1) के तहत यह प्रावधान है ।

> 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर गृह मंत्रालय ने एक विशेष अभियान शुरू किया था, जिसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) से अनुरोध किया गया कि वे बीएनएसएस की धारा 479 के प्रावधानों के तहत पात्र विचाराधीन कैदियों की पहचान करें और उनकी जमानत और बॉन्ड पर रिहाई के लिए संबंधित न्यायालयों में उनके आवेदन प्रस्तुत करें.

दिल्ली उच्च न्यायालय ने एआईएफएफ महासचिव के रूप में प्रभाकरन की नियुक्ति पर रोक लगाई

न्यायाधीश ने कहा, हम अगले सप्ताह सुनवाई जारी रखेंगे लेकिन इस बीच रोक लगानी होगी। मैं अंतरिम रोक (आदेश) पारित करूंगा। मामले की अगली सुनवाई आठ अप्रैल को होगी।

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के महासचिव के रूप में अनिलकुमार प्रभाकरन की नियुक्ति पर रोक लगा दी। यह रोक उस याचिका के आधार पर लगाई गई है जिसमें कहा गया है कि उनकी नियुक्ति राष्ट्रीय खेल संहिता का उल्लंघन है। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने कहा कि इस मामले की अगली सुनवाईअगले सप्ताह होगी।

अगर बालासाहेब ठाकरे जीवित होते तो भी यही बोलते?

> श्रीकांत शिंदे ने कहा कि पहले अनुच्छेद 370, फिर ट्रिपल तलाक और सीएए, और अब यह विधेयक गरीबों के कल्याण के लिए इस सदन में लाया गया है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक तुष्टीकरण के लिए नहीं, बल्कि उत्थान के लिए है। यह राष्ट्र के लिए है, किसी धर्म विशेष के पक्ष या विपक्ष में नहीं है।

वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर उद्धव गुट पर शिंदे गुट का वार

एजेंसी

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन विधेयक पर लोकसभा में चर्चा के दौरान शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे ने कहा शिवसेना और मेरे नेता एकनाथ शिंदे की ओर से, मैं इस विधेयक का पूरी तरह से समर्थन करता हूं। यह एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण दिन है। उन्होंने कहा कि पहले अनुच्छेद 370, फिर ट्रिपल तलाक और सीएए, और अब यह विधेयक गरीबों के कल्याण के लिए इस सदन में लाया गया है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक तुष्टीकरण के लिए नहीं, बल्कि उत्थान के लिए है। यह राष्ट्र के लिए है, किसी धर्म विशेष के पक्ष या विपक्ष में नहीं है। उनके पास अपनी गलतियों को सुधारने, अपने इतिहास को फिर से लिखने और अपनी विचारधारा को जीवित रखने का सुनहरा अवसर था। लेकिन यूबीटी ने पहले ही उनकी विचारधारा को कुचल दिया। यूबीटी का पक्षउन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर बालासाहेब आज यहां होते और यूबीटी का असहमति नोट पढ़ते, तो उन्हें बहुत दुख होता। शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि मैं यहां वक्फ संशोधन विधेयक पर अपने विचार रखने आया हूं। मैं भी जेपीसी का सदस्य था। दुर्भाग्य से अंत तक जेपीसी में खंड-दर-खंड चर्चा नहीं हुई। गैर-हितधारकों को भी जेपीसी में बुलाया गया।

उद्धव गुट पर निशाना

इसके साथ ही उन्होंने उद्धव गुट पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मैं यूबीटी के अरविंद सावंत का भाषण सुनकर बहुत दुखी हुआ। यह बहुत ही चौंकाने वाला था। मैं यूबीटी से एक सवाल पूछना चाहता हूं, उन्हें अपनी अंतरात्मा से पूछना चाहिए कि क्या वे आज बालासाहेब (ठाकरे) जीवित होते तो भी यही बोलते। आज यह स्पष्ट है कि यूबीटी आज किसकी विचारधारा अपना रहा है और इस विधेयक का विरोध कर रहा है।

भाजपा अध्यक्ष चुने जाने में देरी को लेकर अखिलेश ने कसा तंज

> उन्होंने तंज कसते हुए कहा, जो पार्टी यह कहती हो कि वह दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है, वह अब तक अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं चुन पाई है। इस पर, शाह ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा कोई परिवारवादी पार्टी नहीं है और इसलिए इसे अपने नेतृत्व को चुनने में समय लग रहा है, जबकि कई पार्टियों में यह पहले से तय रहता है। उन्होंने कहा, अखिलेश जी ने बहुत हंसते-हंसते कहा है और वह इसका जवाब हंसते-हंसते ही देंगे।

अमित शाह ने सपा को बताया परिवारवादी पार्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर बुधवार को लोकसभा में तंज कसते हुए कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी होने का दावा करने वाली भाजपा अब तक अपना अध्यक्ष नहीं चुन पाई है। इस पर, गृह मंत्री अमित शाह ने पलटवार करते हुए कहा कि निर्णय लेने में देरी हो रही है क्योंकि उनकी पार्टी परिवारवादी नहीं है। सदन में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए अखिलेश ने सवाल किया कि भाजपा यह निर्णय नहीं ले सकी है कि उसका अगला अध्यक्ष कौन होगा? उन्होंने विपक्षी दलों की ओर इशारा करते हुए कहा, ये सामने जितनी पार्टियां हैं उनका राष्ट्रीय अध्यक्ष परिवार के ही पांच लोगों को चुनना होता है। जबकि (भाजपा में) 12-13 करोड़ सदस्य प्रक्रिया से (अध्यक्ष) चुनते हैं इसलिए देर लगती है। आपके यहां जरा भी देर नहीं लगेगी। मैं कह देता हूं...अभी 25 साल तक आप अध्यक्ष हो...नहीं बदल सकता...। इस पर अखिलेश ने कहा, अध्यक्ष महोदय जो बात निकल कर आई है उसे मैं आगे बढ़ाना चाहता हूं।

पाकिस्तानी सैनिक भारतीय सीमा में घुसे, पुंछ में किया संघर्ष विराम का उल्लंघन

▶▶ भारतीय सेना ने पाकिस्तान की ओर से किसी के हताहत होने का कोई जिक्र नहीं किया जबकि आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विस्फोट और उसके बाद दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी में दुश्मन सेना के पांच जवान घायल हो गए।

एजेंसी

नयी दिल्ली। पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सीमा में घुसपैठ की और जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर गोलीबारी कर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। सेना के एक प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटना मंगलवार अपराह्न एक बजकर 10 मिनट पर हुई जिस पर भारतीय सैनिकों ने नियंत्रित और संतुलित तरीके से जवाबी कार्रवाई की। भारतीय सेना ने पाकिस्तान की ओर से किसी के हताहत होने का कोई जिक्र नहीं किया जबकि आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विस्फोट और उसके बाद दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी में दुश्मन सेना के पांच जवान घायल हो गए।

बर्बाद

वक्फ बिल पर बोलीं महबूबा मुफ्ती मुसलमानों को परेशान करने की कोशिश

जब तक बीजेपी जाएगी, पूरा देश बर्बाद हो चुका होगा

एजेंसी

> महबूबा मुफ्ती ने कहा कि वे पिछले 10-11 सालों से इसे बर्दाश्त कर रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हमारे हिंदू भाइयों को यह समझना चाहिए कि भारत अपनी सद्भावना और गंगा-जमुनी तहजीब के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि आज ये सब कचरे में फेंका जा रहा है।

नयी दिल्ली। वक्फ विधेयक को लेकर संसद में चर्चा के बीच जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि वक्फ बिल मुसलमानों को परेशान करने के लिए है। उन्होंने कहा कि वक्फ बिल मुसलमानों को कमजोर करने की चाल है। उन्होंने कहा कि पिछले 10-11 सालों से बीजेपी मुसलमानों के खिलाफ काम कर रही है। यह उसी का हिस्सा है। पहले उन्हें मारा गया, मस्जिदों को नुकसान पहुंचाया गया और दुकानें बंद कर दी गईं। वक्फ बिल लाकर वे हमारी संपत्ति जब्त करना चाहते हैं। मुसलमान क्या करेंगे? महबूबा मुफ्ती ने कहा कि वे पिछले 10-11 सालों से इसे बर्दाश्त कर रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हमारे हिंदू भाइयों को यह समझना चाहिए कि भारत अपनी सद्भावना और गंगा-जमुनी तहजीब के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि आज ये सब कचरे में फेंका जा रहा है। आज हमारा देश, जो एक आदर्श राष्ट्र हुआ करता था, म्यांमार की राह पर चल रहा है, जहाँ अल्पसंख्यकों और मुसलमानों को बाहर निकाल दिया जाता है। वे भूल जाते हैं कि कल वे सत्ता में नहीं होंगे। कांग्रेस ने देश को बचाए रखा। जब तक वे (बीजेपी) जाएंगे, तब तक देश बर्बाद हो चुका होगा। जिस तरह जिया-उल-हक ने देश को निराशा में धकेला, बीजेपी भी ठीक वैसा ही कर रही है। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने कहा कि यह विधेयक असंवैधानिक है। यह अनुच्छेद 14, 25 और 26 का पूरी तरह उल्लंघन है। यह विधेयक असंवैधानिक है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में भाजपा के पास बहुमत नहीं है। अगर वे विधेयक पारित करना चाहते हैं, तो उन्हें चंद्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार, चिराग पासवान और जयंत चौधरी के समर्थन की आवश्यकता होगी, और अगर ये लोग विधेयक का समर्थन करते हैं, तो भारत के मुसलमान उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे। वहीं, भाजपा नेता और जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. दरख्शां अंद्राबी ने कहा कि ऐसा नहीं लगता कि संसद में पेश किया गया बिल मुसलमानों के खिलाफ है। अगर वक्फ के पास इतनी जमीन है, तो इतने सारे मुसलमान गरीब क्यों हैं? ऐसा लगता है कि बिल मुसलमानों के कल्याण के लिए पेश किया जा रहा है।

लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, मैं ये पूछना चाहता हूं कि ये बिल अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने बनाया कि किसी और विभाग ने बनाया है? यह बिल कहां से आया?... आज देश में अल्पसंख्यकों की हालत ऐसी हो गई है कि आज सरकार को उनके धर्म का प्रमाण पत्र देना पड़ेगा... क्या वे दूसरे धर्मों से प्रमाण पत्र मांगेंगे कि आपने पांच साल पूरे किए हैं या नहीं?

स्टालिन ने प्रधानमंत्री मोदी से वक्फ संशोधन विधेयक वापस लेने का आग्रह किया

प्रधानमंत्री से व्यक्तिगत हस्तक्षेप की मांग की और रेखांकित किया कि कुछ दिन पहले तमिलनाडु विधानसभा ने एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र से विधेयक वापस लेने का आग्रह किया था।

एजेंसी

नयी दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को वापस लेने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि इस विधेयक से मुसलमानों के हितों को नुकसान पहुंचेगा। स्टालिन ने कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को अपने-अपने धर्म के पालन करने का अधिकार देता है और इसे (अधिकार को) बनाए रखना तथा उसकी रक्षा करना निर्वाचित सरकारों का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि वक्फ अधिनियम, 1995 में प्रस्तावित संशोधनों में अल्पसंख्यकों को दी गई संवैधानिक सुरक्षा को ध्यान में नहीं रखा गया है और इससे मुस्लिम समुदाय के हितों को गंभीर नुकसान पहुंचेगा। मुख्यमंत्री पहले ही वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध कर चुके हैं। उन्होंने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री से व्यक्तिगत हस्तक्षेप की मांग की और रेखांकित किया कि कुछ दिन पहले तमिलनाडु विधानसभा ने एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र से विधेयक वापस लेने का आग्रह किया था।

स्टालिन ने कहा कि मौजूदा वक्फ अधिनियम के प्रावधान समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं और वे वक्फ की संपत्तियों को सुरक्षा प्रदान करते हैं। उन्होंने दावा किया कि वक्फ अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और संरक्षण में वक्फ बोर्डों की शक्तियों और जिम्मेदारियों को कमजोर कर देंगे।

अभिव्यक्ति की आजादी के फर्जी चैंपियन, मुफ्त में प्रचार में खुद की फजीहत

> कॉमेडी के नाम पर फूहड़ता करने वाले उनके जैसे और भी कॉमेडियन हैं। किसी दल या सरकार की ओर से ऐसे कॉमेडियनों के पीछे पड़ना एक तरह से उनका मुफ्त में प्रचार करना और खुद की फजीहत कराना ही है। यह काम अन्य सरकारें भी करती हैं। वे कभी किसी कटाक्ष पर किसी कॉमेडियन के पीछे पड़ जाती हैं और कभी सोशल नेटवर्क साइट्स पर अपने खिलाफ टिप्पणी करने वालों के।

पा कॉमेडियन कुणाल कामरा को गिरफ्तार करने के लिए मुंबई पुलिस कमर कसे हुए है। इसका पता इससे चलता है कि जब मद्रास उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर पर सात अप्रैल तक गिरफ्तारी पर रोक लगा दी तो उनके खिलाफ तीन और एफआईआर दर्ज कर दी गईं। इन एफआईआर के दर्ज होने के बाद मुंबई पुलिस गत दिवस उनके आवास पर पहुंची। वह वहां नहीं थे। वह तमिलनाडु में थे। कामरा ने मुंबई पुलिस पर तंज कसते हुए कहा कि वह अपना समय बर्बाद कर रही है, क्योंकि पुलिस जिस पते पर पहुंची, वहां वह दस वर्ष से नहीं रह रहे हैं। मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले के चलते मुंबई पुलिस पहली एफआईआर पर तो उन्हें गिरफ्तार नहीं कर सकती, लेकिन तीन नई एफआईआर पर ऐसा कर सकती है। यदि मुंबई पुलिस नई एफआईआर के सिलसिले में उनकी तलाश तेज करती है तो वह फिर से मद्रास उच्च न्यायालय या फिर सर्वोच्च न्यायालय जा सकते हैं। इसमें उन्हें कोई समस्या इसलिए नहीं आनी, क्योंकि भाजपा-शिवसेना के विरोधी कई राजनीतिक वकील उनका साथ देने के लिए तैयार होंगे। यह भी लगभग तय है कि यदि वह सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हैं तो उन्हें वहां से राहत भी मिल जाएगी। अभी तक यही देखने को मिलता रहा है कि यदि किसी के खिलाफ किसी एक मामले में कई एफआईआर दर्ज होती हैं तो पीड़ित उन्हें एक साथ नत्थी करने की अपील लेकर सुप्रीम कोर्ट जाते हैं। उन्हें वहां से राहत मिल जाती है। कामरा को भी मिल जाए तो हैरानी नहीं। हैरानी इस पर होगी, यदि मुंबई पुलिस कामरा को गिरफ्तार करने पर अड़ी रहती है। पता नहीं इसमें उसे सफलता मिलती है या नहीं। यदि मिल भी जाती है तो आसार इसी के हैं कि उन्हें शीघ्र जमानत मिल जाएगी, क्योंकि उन पर मात्र यह आरोप है कि उन्होंने एक पैरोडी गाने के जरिये शिवसेना नेता और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का अपमान किया। इससे कुपित होकर कुछ शिवसैनिकों ने एक होटल में तोड़फोड़ की, जहां कामरा ने पैरोडी गाने की रिकार्डिंग की थी। यह पैरोड़ी गाना शिंदे को नीचा दिखाने वाला था। इसे ढंग की पैरोडी कहना कठिन है, लेकिन शिवसेना और भाजपा विरोधियों का वह बहुत भाया। यह कोई नई-अनोखी बात नहीं, क्योंकि जो कटाक्ष किसी को मनोरंजक लगता है, वही किसी अन्य को अपमानजनक। शिवसैनिकों को ऐसा ही लगा और वे अब भी कामरा को धमका रहे हैं और चूंकि शिवसेना महाराष्ट्र की सत्ता में है, इसलिए मुंबई पुलिस भी उनकी गिरफ्तारी को लेकर व्याकुल है। इसका नतीजा यह है कि कामरा को वे लोग भी जान गए, जिन्होंने उनका नाम तक नहीं सुना था। कुणाल कामरा के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई का संज्ञान कई विदेशी समाचार माध्यमों ने भी लिया। इसके अलावा महज आठ-नौ दिनों में लाखों लोग उनके उस वीडियो को देख चुके हैं, जिसमें उन्होंने शिंदे पर निशाना साधा था। कामरा फूहड़ किस्म के उन कॉमेडियन में से हैं, जिन्हें लगता है कि किसी के खिलाफ ओछी टिप्पणी करना ही कॉमेडी है। कॉमेडी के नाम पर फूहड़ता करने वाले उनके जैसे और भी कॉमेडियन हैं। किसी दल या सरकार की ओर से ऐसे कॉमेडियनों के पीछे पड़ना एक तरह से उनका मुफ्त में प्रचार करना और खुद की फजीहत कराना ही है। यह काम अन्य सरकारें भी करती हैं। वे कभी किसी कटाक्ष पर किसी कॉमेडियन के पीछे पड़ जाती हैं और कभी सोशल नेटवर्क साइट्स पर अपने खिलाफ टिप्पणी करने वालों के। अधिकतर मामलों में ऐसे लोगों को अदालतों से राहत मिल जाती है, लेकिन कभी-कभार किसी को जेल में भी रहना पड़ता है और कई बार तो महीनों। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि हर मामले में अदालतें तत्परता का परिचय नहीं देतीं। उद्धव ठाकरे के मुख्यमंत्री रहते नागपुर के एक युवक को मुंबई पुलिस ने 17 दिन के अंदर तीन बार गिरफ्तार कर जेल भेजा, क्योंकि उसने उनके एक करीबी को पेंग्विन कह दिया था। कुणाल कामरा मामले में जैसा व्यवहार शिवसेना और महाराष्ट्र सरकार कर रही है, वैसा ही अन्य दल और उनकी सरकारें भी करती हैं। यह बात और है कि जब यही दल इस तरह का कोई मामला विरोधी दल के शासन में देखते हैं तो वे अचानक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के चैंपियन बन जाते हैं। इन दिनों भाजपा और शिवसेना विरोधी दल कामरा का समर्थन करते हुए खुद को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सबसे बड़ा सिपाही साबित करने में लगे हुए हैं। इनमें ठाकरे की शिवसेना सबसे आगे है, जिसने सत्ता में रहते समय अपनी मामूली आलोचना करने वालों को लोगों को जेल भेजने अथवा उनके घर-दफ्तर गिराने में संकोच नहीं किया। इनमें कंगना रनौत भी हैं। उद्धव ठाकरे सरकार के समय ही जब कंगना के दफ्तर के एक हिस्से को ढहाया गया था तो कई दलों के नेताओं ने इसे उचित बताने की कोशिश की थी या फिर इस कार्रवाई पर खुशी जताई थी। इनमें कुणाल कामरा भी थे। तब अभिव्यक्ति की आजादी के कथित चैंपियनों को सांप सूंघ गया था। ऐसे फर्जी चैंपियन तब भी हर्षित-मुदित हुए थे, जब चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर सीआईएसएफ की एक महिला कांस्टेबल ने कंगना को थप्पड़ मारा था। अपने देश में अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकतर चैंपियन यह समझने को तैयार नहीं कि यह आजादी उनके लिए भी होती है, जो उनके मन मुताबिक बात नहीं करते।

सम्पादकीय

जम्मू-कश्मीर में दम तोड़ता अलगाववाद, बढ़ने लगी पाकिस्तान की मुश्किलें

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल में संसद को एक सुखद सूचना दी। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी संगठन हुर्रियत कांफ्रेंस के कुछ धड़ों ने भारत के प्रति निष्ठावान रहने का निर्णय किया है। इन गुटों में कश्मीर के सबसे कट्टरपंथी और पाकिस्तानपरस्त समझे वाले नेता सैयद अली शाह गिलानी के राजनीतिक उत्तराधिकारी मोहम्मद शफी की पार्टी डेमोक्रेटिक पीपुल्स मूवमेंट भी शामिल है। यह परिवर्तन दशार्ता है कि कश्मीर के कट्टरपंथी अलगाववादी इस्लामिक गुटों पर अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद से की गई सख्ती के अपेक्षित परिणाम सामने आ रहे हैं। अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद सरकार ने हुर्रियत में शामिल कई अलगाववादी गुटों पर अवैध गतिविधि निवारण अधिनियम यानी यूएपीए के अंतर्गत प्रतिबंध लगा दिया था। इसके साथ ही पाकिस्तान से और विभिन्न प्रकार की अवैध गतिविधियों से प्राप्त होने वाले काले धन के प्रवाह को रोकने के लिए भी कठोर कार्रवाई की गई। गत 12 मार्च को ही मीरवाइज उमर फारूक की अवामी एक्शन कमेटी पर प्रतिबंध लगाकर स्पष्ट संकेत दिया गया कि कश्मीर में अलगाववाद की कोई दुकान चलने नहीं दी जाएगी, चाहे उसे चलाने वाला कितना ही बड़ा नाम क्यों न हो। इस बीच अमित शाह ने कई बार दोहराया कि अनुच्छेद 370 की किसी भी सूरत में वापसी नहीं होने वाली। उनके और मोदी सरकार के इस संकल्प ने अलगाववादियों का मनोबल तोड़ने का काम किया है। इसका यह नतीजा निकला है कि राजनीतिक महत्वाकांक्षा रखने वाले कश्मीरी मुस्लिम नेताओं को समझ आ गया कि यदि राजनीतिक वजूद बनाए रखना है तो अलगाववादी राजनीति को छोड़ना ही होगा। मोदी सरकार की यह नीति मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार के एकदम उलट है। मनमोहन सरकार तो हुर्रियत के धड़ों में यही ढूंढ़ने का प्रयास करती थी कि उनमें नरम अलगाववादी कौन हैं। मनमोहन सरकार ने संभवतः उन्हें नरम अलगाववादी माना जो कश्मीर की आजादी का राग तो छेड़ते थे, परंतु सीधे तौर पर पाकिस्तान में शामिल होने की बात नहीं करते थे। मनमोहन सरकार ने कभी यह सोचा ही नहीं कि कश्मीर की आजादी कभी संभव नहीं हो सकती, क्योंकि भारत से अलग होते ही पाकिस्तान बलात उस पर कब्जा कर लेगा। नरम अलगाववाद को हवा देने वाली मनमोहन सरकार की इस विवेकशून्य नीति के दायरे में यासीन मलिक तक आ गए थे। यासीन मलिक वही दुर्दांत आतंकी था, जिसके हाथ वायु सेना अधिकारियों के खून से सने थे। उस दौर में ऐसे आतंकी की प्रधानमंत्री आवास पर मेहमाननवाजी की जाती थी। जब भारत सरकार ही हुर्रियत के अलगाववादी नेताओं को कश्मीर पर चर्चा के लिए बुलाकर उन्हें कश्मीरियों के प्रतिनिधि के रूप में मान्यता देती थी तो पाकिस्तान भी द्विपक्षीय वार्ता में हुर्रियत को पक्ष बनाने की जिद करता था।

आज का विचार

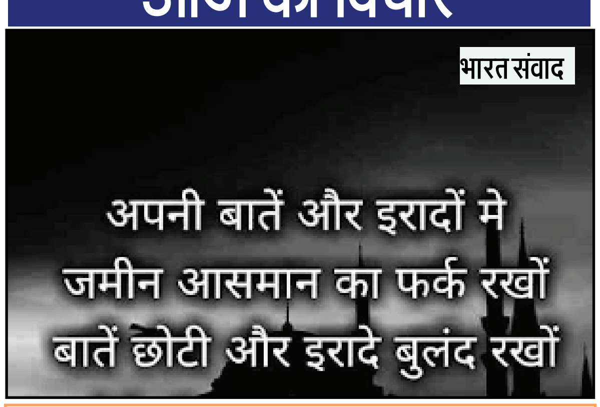

मेष राशि : आपके लिए किसी नए मकान और दुकान आदि की खरीदारी के लिए अच्छा रहेगा. आपके परिवार के सदस्यों का पूरा सहयोग मिलेगा. जीवनसाथी आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकती हैं. नवविवाहित जातकों के जीवन में किसी नए मेहमान की दस्तक हो सकती है. पारिवारिक कलह आपके लिए समस्या बन सकती है.

वृषभ राशि : आपके लिए कुछ नए लोगों से मेलजोल बढ़ाने के लिए रहेगा. आप अपने रूटीन को बेहतर बनाए रखने की पूरी कोशिश करें. व्यवसाय में वृद्धि होने से आप प्रसन्न रहेंगे. आप अपनी आर्थिक स्थिति को लेकर कोई महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं. जीवनसाथी के करियर में चल रही समस्याओं के कारण आप परेशान रहेंगे.

मिथुन राशि : आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा. विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षा में अच्छी सफलता हासिल करेंगे. आपको कार्यक्षेत्र में अत्यधिक मेहनत करनी होगी, उसके बाद ही सफलता मिलती दिख रही है. सबको साथ लेकर चलने की कोशिश में आप काम कामयाब रहेंगे. किसी बड़े लक्ष्य के प्रति आप समर्पित नजर आएंगे.

कर्क राशि: आपके लिए पद प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला रहेगा. आप संतान के लिए कोई वाहन को लेकर आ सकते हैं और आप अपनी जरूरत की वस्तुओं पर अच्छा खासा धन खर्च करेंगे. आपको अपने जरूरी कामों पर भी पूरा ध्यान देना होगा.

सिंह राशि: आपके लिए प्रेम और सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी. आप किसी महत्वपूर्ण आयोजन में सम्मिलित हो सकते हैं. सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा. भाई व बंधुओं का आपको पूरा साथ मिलेगा.

कन्या राशि: आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है. आपकी किसी मन की इच्छा की पूर्ति होगी और अपनों से आप प्रसन्न रहेंगे. आपको एक के बाद एक खुशखबरी सुनने को मिल सकती है.

तुला राशि: नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए अच्छा रहेगा, क्योंकि उन्हें कोई अच्छी नौकरी की प्राप्ति हो सकती हैं.

वृश्चिक राशि: आपके लिए बहुत ही सूझबूझ से आगे बढ़ने के लिए रहेगा. आपको एक के बाद एक शुभ सूचना सुनने को मिल सकती है. आपको आवश्यक कामों को पूरा ध्यान से करना होगा.

धनु राशि : आपके लिए कोई बड़ी उपलब्धि लेकर आने वाला है. आपको कुछ आवश्यक कामों पर पूरा ध्यान देना होगा. आपके अंदर मेलजोल की भावना बनी रहेगी.

मकर राशि : आपके लिए मेहनत और लगन से काम करने के लिए रहेगा. आप लोगों पर पूरा भरोसा करेंगे. आपको कोई महत्वपूर्ण सूचना सुनने को मिल सकती है. आपके व्यापार में वृद्धि होगी और सबका सहयोग आप पर बना रहेगा. आपको कोई बड़ी उपलब्धि हासिल हो सकती है.

कुंभ राशि : आपके लिए किसी धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए रहेगा. आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और आपके लंबे समय से रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं. आप महत्वपूर्ण कामों को समय से पूरा करेंगे और सभी को जोड़ने की कोशिश में कामयाब रहेंगे. निजी मामलों में आपको सावधान रहने की आवश्यकता है.

मीन राशि : आपके लिए किसी जोखिम भरे काम को करने से बचने के लिए रहेगा. आप अपने आवश्यक कामों की सूची बनाकर चलेंगे, तो आपके लिए बेहतर रहेगा. आप अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को अनदेखा ना करें, नहीं तो बाद में वह बढ़ सकती हैं और आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी. आप अपने आवश्यक कामों को पहले करने की कोशिश करें. आपको कार्यक्षेत्र में सूझबूझ से काम लेना होगा, नहीं तो विरोधी आपको परेशान सकते हैं. आप अपनी वाणी में विनम्रता बनाए रखें, नहीं तो समस्या हो सकती है. कामकाज के मामले में आपको स्पष्टता बनाए रखनी होगी.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

ऑन द फास्ट ट्रैक : रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास को पुनर्परिभाषित करता गुजरात

प्रवीण परमार, आईआरटीएस (सेवानिवृत्त), पूर्व प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक, पश्चिम रेलवे

औद्योगिक विस्तार और इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में उल्लेखनीय उपलब्धियों के कारण गुजरात को लंबे समय से भारत के विकास इंजन के रूप में जाना जाता है। उद्यमशीलता और विनिर्माण को बढ़ावा देकर राज्य ने एक लचीले परिवहन नेटवर्क द्वारा मजबूत और संपन्न अर्थव्यवस्था का निर्माण किया है। इस वर्ष का रेल बजट रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण के प्रति गुजरात की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है। इस महत्वपूर्ण निवेश का उद्देश्य संरक्षा में वृद्धि, यात्री अनुभव में सुधार और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। रेल बजट की घोषणा को व्यापक सराहना मिली। बजट में विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से भारतीय रेल पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए 40% व्यय आवंटित किया गया। माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार राज्यों में चल रही विभिन्न रेल परियोजनाओं में 17,155 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड-तोड़ आवंटन किया जाएगा। रेल संरक्षा गुजरात के आधुनिकीकरण प्रयासों का मुख्य आधार बनी हुई है। सबसे महत्वपूर्ण उपायों में से एक है रेलवे लेवल क्रॉसिंग को खत्म करना, उनकी जगह रोड ओवर ब्रिज (ROB) और रोड अंडर ब्रिज (RUB) बनाना। इस पहल से दुर्घटनाएं कम होती हैं, वाहनों की निर्बाध आवाजाही को बढ़ावा मिलता है और रेल दक्षता बढ़ती है। पिछले एक दशक में, लगभग 1050 लेवल क्रॉसिंग को आरओबी/आरयूबी से बदला गया है। इसके अलावा, गुजरात में ब्रॉड गेज नेटवर्क पर सभी मानव रहित लेवल क्रॉसिंग को 2018 में समाप्त कर दिया गया है। गुजरात सरकार रेलवे के साथ मिलकर गुजरात को पूरी तरह से लेवल-क्रॉसिंग मुक्त (फाटक-मुक्त गुजरात) बनाने की दिशा में काम कर रही है। राज्य सरकार ने 83 लेवल क्रॉसिंग को खत्म करके उनकी जगह आरओबी/आरयूबी बनाने के लिए 1372.91 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं, जिनमें से 11 लेवल क्रॉसिंग को पहले ही आरओबी/आरयूबी से बदला जा चुका है और बाकी पर काम चल रहा है। इससे न केवल सड़क उपयोगकताओं की सुरक्षा में सुधार होगा, बल्कि लेवल क्रॉसिंग पर प्रतीक्षा समय भी खत्म होगा, जिससे समय और ईंधन दोनों की बचत होगी। राज्य ने रेल मंत्रालय यानी गुजरात रेल इंफ्रास्ट्रक्कर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (G-RIDE) के साथ एक संयुक्त उद्यम भी बनाया है, जिसने बेदी बंदरगाह तक कनेक्टिविटी विकसित की, कटोसन-बेचराजी-रणुंज लाइन का गेज परिवर्तन किया और मारुति सुजुकी कार प्लांट में निर्मित कारों को देश के विभिन्न हिस्सों और बंदरगाहों तक ले जाने के लिए मारुति सुजुकी कार प्लांट तक रेलवे साइडिंग विकसित की। इसके अलावा, स्वदेशी रूप से विकसित कवच प्रौद्योगिकी की तैनाती 1800 रूट किलोमीटर (RKM) पर तेजी से की जा रही है। ऐसी पहल रेलवे सुरक्षा के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाती है। संरक्षा से परे गुजरात में रेलवे का इंफ्रास्ट्रक्चर बड़े पैमाने पर, इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश के साथ बदलाव के दौर से गुजर रहा है, जिसका उद्देश्य यात्री और माल ढुलाई दोनों संपर्क को मजबूत करना है। वर्तमान में, गुजरात के 87 स्टेशनों का नवीनीकरण किया जा रहा है ताकि स्टेशन सुविधाओं का आधुनिकीकरण किया जा सके और सुविधाओं और उनकी पहुंच में सुधार किया जा सके। कांडला, मुन्द्रा, दहेज, हजीरा, सिक्का, बेदी आदि जैसे सभी प्रमुख बंदरगाह पहले से ही रेलवे से जुड़े हुए हैं और जखाऊ बंदरगाह को जोड़ने की योजना भी प्रक्रियाधीन है। माल ढुलाई को बढ़ावा देने के लिए राज्य में 8 निजी माल टर्मिनल (PFT) और 10 गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल (GST) पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं और कुछ और विकसित होने की उम्मीद है। हाल ही में, ऊंझा में एक विशेष रेलवे कंटेनर टर्मिनल खोला गया है, जो देश के विभिन्न हिस्सों में कृषि उत्पादों की निर्बाध आवाजाही की सुविधा प्रदान करता है और निर्यात को बढ़ावा देता है। मिशन रफ़्तार और वेस्टर्न डेडिकेटेड कॉरिडोर (WDFC) दो उल्लेखनीय परियोजनाएँ हैं जो यात्रियों और माल परिवहन दोनों के लिए गति और दक्षता के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं। मिशन रफ़्तार का उद्देश्य मुंबई-सूरत-वडोदरा-दिल्ली और मुंबई-वडोदरा-अहमदाबाद मार्गों जैसे अधिक आवागमन वाले कॉरिडोर पर ट्रेन की गति बढ़ाना है। वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (WDFC) एक महत्वाकांक्षी परियोजना है जिसका उद्देश्य यात्री मार्गों पर भीड़भाड़ को कम करने के लिए माल के तेज और कुशल परिवहन के लिए समर्पित ट्रैक की सुविधा प्रदान करना है। WDFC का 565 किलोमीटर का हिस्सा (कुल लंबाई का 38%) गुजरात से होकर गुजरता है और अब पूरी तरह से चालू हो चुका है। आधुनिक रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर के इस दृष्टिकोण का अभिन्न अंग है मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना, जिसका नेतृत्व नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) कर रहा है। बुलेट ट्रेन भारत में तेज गति से यात्रा को फिर से परिभाषित करने, यात्रा के समय को बेहद कम करने और क्षेत्रीय परिवहन परिदृश्य को बदलने का वादा करती है। जैसे-जैसे इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम तेजी से आगे बढ़ रहा है, गुजरात अत्याधुनिक रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर के केंद्र के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को मजबूत कर रहा है। अंततः, इन प्रगति की सफलता यात्रियों पर उनके प्रभाव में निहित है। शहरीकरण की तीव्र गति से यात्रा की गतिशीलता में बदलाव के साथ रेलवे को केवल पटरियों और स्टेशनों के विस्तार से आगे बढ़ना चाहिए - इसे कुशल एकीकृत परिवहन समाधानों को प्राथमिकता देनी चाहिए। राज्य का मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब (MMTH) एक ऐसी पहल है जिसका उद्देश्य परिवहन के विभिन्न साधनों के बीच निर्बाध संपर्क सुनिश्चित करना है। दो प्रमुख परियोजनाएँ, साबरमती MMTH और सूरत MMTH, एक ही सुविधा के भीतर रेल, मेट्रो, बुलेट ट्रेन और बस सेवाओं को एकीकृत करके यात्री सुविधाओं में क्रांति लाने के लिए तैयार हैं। डिजिटल टिकटिंग, आधुनिक वेटिंग लाउंज और रिटेल स्पेस जैसी सुविधाएँ यात्रियों के अनुभव को काफी बेहतर बनाएँगी। इन पहलों के साथ, गुजरात भारत में सार्वजनिक परिवहन में उत्कृष्टता का बेंचमार्क बनने की राह पर है। राज्य में चार वंदे भारत ट्रेनों की मौजूदगी, जिनमें से दो उच्च मांग वाले मुंबई-गांधीनगर और मुंबई-अहमदाबाद सेक्टरों में सेवा प्रदान करती हैं, उच्च गति वाली प्रीमियम यात्रा प्रदान करने के प्रयासों को उजागर करती हैं, ताकि यात्रियों की बढ़ती मांगों को पूरा किया जा सके। अहमदाबाद और भुज के बीच नमो भारत रैपिड रेल की शुरूआत कच्छ के रण जैसे गंतव्यों के लिए तेज और आरामदायक यात्रा प्रदान करके पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम है। स्वदेशी रूप से निर्मित इस ट्रेन में केवल अनारक्षित कोच हैं और यह पूरी तरह से वातानुकूलित है और साथ ही इसमें आधुनिक यात्री सुविधाओं की भरमार है। यात्रियों की सुविधा के अलावा, रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण में निवेश से रोजगार के अवसर पैदा होते हैं, औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलता है और व्यापार संचालन को सुगम बनाया जाता है। बेहतर रेलवे कनेक्टिविटी से माल की आवाजाही की दक्षता में काफी वृद्धि होती है - जिससे लागत कम होती है और व्यवसायों और निवेशकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में गुजरात की मान्यता और भी बढ़ जाती है।

पढ़ते समय क्यों सो जाता हूँ?

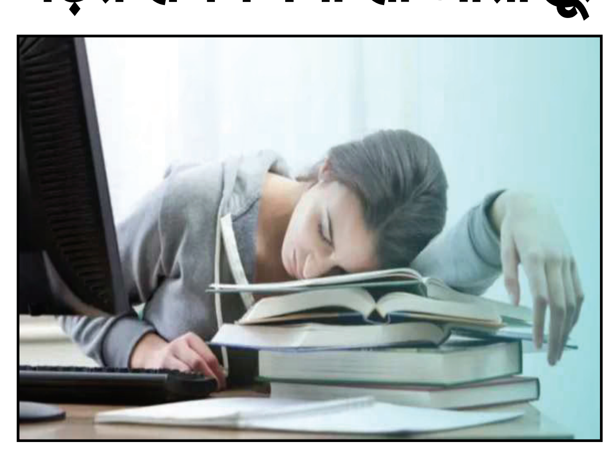

विजय गर्ग

आपने अक्सर माता-पिता को यह शिकायत करते देखा होगा कि उनके बच्चे किताबें खोलते ही सो जाते हैं। ऐसा केवल छात्रों के साथ ही नहीं बल्कि वयस्कों के साथ भी होता है। जैसे ही आप अखबार या किताब पढ़ना शुरू करते हैं, आपकी आंखें नींद से भर जाती हैं। आइए जानते हैं इसके पीछे क्या कारण है... कुछ लोग कम सोते हैं जबकि कुछ लोग ज्यादा सोते हैं। वैसे, जिन लोगों को नींद आने में परेशानी होती है, अगर उन्हें किताबें पढ़ने को दी जाएं तो वे सोने लगते हैं या झपकी लेने लगते हैं। हालाँकि, यह समस्या पढ़ने वाले बच्चों में अधिक आम है। हालांकि माता-पिता बच्चों की इस समस्या पर ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना ??है कि बच्चों की इस समस्या पर ध्यान देना जरूरी है। इसके लिए जो भी उपाय अपनाए जा सकते हैं, उन्हें अपनाकर नींद न आने की समस्या को खत्म करना जरूरी है, अन्यथा यह आपकी याददाश्त का दुश्मन बन जाएगा। अब बात करते हैं सोते समय नींद आने के विज्ञान की। दरअसल, जब भी हम पढ़ना शुरू करते हैं, तो हमारी आंखों पर अधिक दबाव पड़ता है, जबकि मस्तिष्क कंप्यूटर की मेमोरी की तरह डेटा फीड करता है। ऐसी स्थिति में आंखों की मांसपेशियां शिथिल होने लगती हैं और कुछ ही देर में हमारा मस्तिष्क काम करने से मना करने लगता है और हमें नींद आने लगती है। पढ़ाई करते समय नींद आने से बचने के लिए अध्ययन क्षेत्र में अच्छी रोशनी रखनी चाहिए। पढ़ाई के लिए ऐसा स्थान चुनें जहां बाहरी हवा और रोशनी आती हो, ताकि शरीर तरोताजा रहे। दूसरा कारण यह है कि पढ़ते समय हमारा अधिकांश शरीर आराम की स्थिति में होता है और केवल मस्तिष्क और आंखें ही काम कर रही होती हैं। ऐसी स्थिति में पूरे शरीर को आराम देने से मांसपेशियां शिथिल होने लगती हैं और व्यक्ति को नींद आ जाती है। इसीलिए कहा जाता है कि एक आसन में बैठकर पढ़ना चाहिए। कभी भी बिस्तर पर न पढ़ें, बल्कि कुर्सी या मेज पर बैठकर किताबें पढ़ने का अभ्यास करें।

कुर्सी और मेज को देखकर पढ़ाई के लिए मन तैयार होगा और आलस्य रुकेगा। पढ़ाई करने से पहले हल्का भोजन करें ताकि आपको सुस्ती महसूस न हो क्योंकि खाने के बाद भी आपको नींद आती है। जब भी हमारा शरीर आराम करता है, तो वह नींद की अवस्था में चला जाता है। सिर्फ पढ़ते ही नहीं, आपने लोगों को कार में यात्रा करते समय सोते हुए भी देखा होगा। यहां भी वही विज्ञान काम करता है। इतना ही नहीं, हाईवे पर वाहन चालकों को भी नींद आने लगती है, क्योंकि शरीर आराम करने के साथ-साथ उनका मस्तिष्क और आंखें भी काम कर रही होती हैं।

वक्फ संशोधन बिल का समर्थन, बांटी मिठाइयां, मुंबई के बोरीवली में मुस्लिमों ने मनाई खुशी

- बोरीवली में मुस्लिम समुदाय ने वक्फ बिल के समर्थन में मिठाई बांटी
- वक्फ संशोधन बिल को लेकर सरकार की सराहना, पीएम मोदी का धन्यवाद
- भू-माफियाओं पर नकेल कसने का दावा, गरीब मुसलमानों को होगा लाभ

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः 'वक्फ संशोधन बिल' बुधवार को लोकसभा में पेश हुआ। सदन में इस बिल पर चर्चा चल रही है तो कई जगह पर मुस्लिम समाज के लोग बिल के समर्थन में सड़क पर उतरे हैं। मुंबई के बोरीवली के मुस्लिमों ने सड़कों पर 'वक्फ संशोधन बिल' के समर्थन में मिठाई बांटी। उन्होंने इस बिल को मुस्लिम समाज के लिए जरूरी बताया। मिठाई बांटने वालों में शामिल याकूब शेख ने कहा कि बुधवार को वक्फ बोर्ड का बिल पास होने वाला है। यह पहले ही हो जाना चाहिए था। कई भू-माफिया वक्फ की संपत्ति पर कब्जा किए हुए हैं, अब उनसे कब्जा छीना जाएगा। मुस्लिम समाज को इसका सीधा फायदा होगा। हमें एक और तोहफा मिलने जा रहा है।वक्फ डेवलपमेंट कमिटी के सदस्य वसीम खान ने कहा कि 'वक्फ संशोधन बिल' पहले ही संसद से पास हो जाना चाहिए था। वक्फ की संपत्ति गरीब मुस्लिमों के लिए थी। कुछ भू-माफिया इन संपत्तियों के ठेकेदार बने हुए हैं, जो बिल्कुल गलत है। किसी गरीब मुस्लिम को वक्फ से फायदा नहीं हो रहा है। जो लोग दरगाहों, मस्जिदों और कब्रिस्तानों के छीनने की बात करके बिल का विरोध कर रहे हैं, वे पूरी तरह से गलत हैं।

स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा का नया पोस्ट

स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा ने अपने एक शो में शामिल होने वाले प्रशंसकों से माफी मांगी है, जिन्हें पुलिस ने नोटिस जारी किया है। शो में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पर की गई टिप्पणियों के कारण विवाद हुआ। कामरा को भी पुलिस ने समन भेजा है। उन्होंने अपने बयान के लिए माफी मांगने से इनकार कर दिया है।

- कुणाल कामरा ने शो के कारण हुई असुविधा के लिए मांगी माफी
- कामरा ने दर्शकों की अगली छुट्टियों का खर्च उठाने की पेशकश की

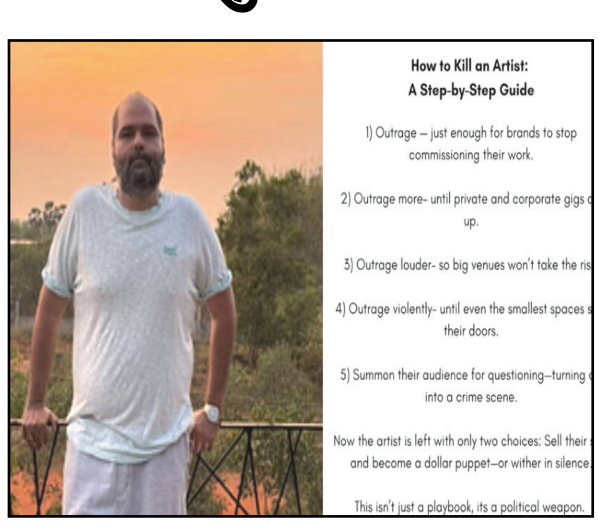

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा ने हाल ही में अपने एक शो के कारण लोगों को हुई परेशानी के लिए माफी मांगी है। खार के एक होटल में 'नया भारत' नाम का उनका कार्यक्रम आयोजित हुआ था। इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले कुछ लोगों को पुलिस ने नोटिस भेजा है। शो में कामरा ने एकनाथ शिंदे पर कटाक्ष किया था। इसके बाद उनके खिलाफ ऋकफ दर्ज हुई थी। एक बैंक कर्मचारी को भी गवाह के तौर पर बुलाया गया था। कामरा ने इस असुविधा के लिए खेद जताया है और दर्शकों को उनकी अगली छुट्टियों का खर्च उठाने की पेशकश की है। हालांकि उन्होंने अपने शो में की गई टिप्पणियों के लिए माफी मांगने से इनकार कर दिया है। पुलिस ने दर्शकों को समन भेजने की खबरों का खंडन किया है। मुंबई पुलिस ने कामरा को पूछताछ के लिए तीसरा समन भेजा है।

क्यों विवादों में कुणाल कामरा?

दरअसल कुणाल कामरा अपने 'नया भारत' कार्यक्रम को लेकर विवादों में हैं। उन्होंने इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को 'गद्दार' कहा था। इसके बाद उनके खिलाफ कई ऋकफ दर्ज कराई गई हैं। हाल ही में कामरा ने " (पहले ट्विटर) पर एक मीडिया रिपोर्ट शेयर की। इस रिपोर्ट में बताया गया कि नवी मुंबई के एक बैंक कर्मचारी को पुलिस का नोटिस मिलने के बाद अपना मुंबई का दौरा अधूरा छोड़ना पड़ा। वह कामरा के शो 'नया भारत' में शामिल होने गया था।

कुणाल कामरा ने क्या कहा?

इस घटना पर कामरा ने दुख जताया। उन्होंने लिखा कि मेरे शो में शामिल होने से आपको हुई असुविधा के लिए मुझे गहरा खेद है। कृपया मुझे ईमेल करें। ताकि मैं भारत में आपकी इच्छानुसार कहीं भी आपकी अगली छुट्टियों का कार्यक्रम निर्धारित कर सकूं। इसका मतलब है कि कामरा उन लोगों की छुट्टियों का खर्च उठाने को तैयार हैं, जिन्हें उनके शो में शामिल होने के कारण परेशानी हुई। हालांकि, पुलिस का कहना है कि उन्होंने शो में शामिल होने वाले दर्शकों को बयान दर्ज कराने के लिए नहीं बुलाया है। पुलिस ने इस खबर का खंडन किया है।

फास्ट ट्रैक

महाराष्ट्र में नई गाड़ी खरीदने पर 15 फीसदी टैक्स में छूट

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई वाली महायुति सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। पुराने वाहन मालिकों को स्वेच्छा से स्क्रैप (कबाड़) घोषित करने के लिए टैक्स में छूट देने का ऐलान किया है। सरकार की मंगलवार को कैबिनेट बैठक में इस फैसले पर मुहर लगी कि अगर कोई स्वेच्छा से अपना वाहन स्क्रैप करेगा तो तो नए वाहन पर 15 प्रतिशत कर छूट मिलेगी। सरकार के फैसले मुंबई, ठाणे, पुणे, नासिक, नागपुर जैसे बड़े शहरों में पुराने वाहनों की संख्या घट सकती है। इससे प्रदूषण पर फर्क पड़ेगा। नई गाड़ियों से प्रदूषण कम होगा। पांच फीसदी और बढ़ोतरीअभी तक महाराष्ट्र में पंजीकृत वाहन स्क्रैपेज सुविधा (आरवीएसएफ) में पंजीकरण के 8 वर्षों के भीतर स्वैच्छिक रूप से स्क्रैप किए गए परिवहन वाहनों को तथा पंजीकरण के 15 वर्षों के भीतर स्वैच्छिक रूप से स्क्रैप किए गए गैर-परिवहन वाहनों को 10 प्रतिशत की कर रियायत दी जा रही है। सरकार के फैसला के बाद अब से परिवहन और गैर-परिवहन वाहनों को एकमुश्त कर के अधीन 15 प्रतिशत कर रियायत दी जाएगी। सरकार ने कहा है कि परिवहन श्रेणी के जिन वाहनों पर सालाना कर लागू है, उनके पंजीकरण की तिथि से आगामी 8 वर्षों तक वार्षिक कर में 15 प्रतिशत की छूट दी जाएगी तथा गैर परिवहन श्रेणी के वाहनों के लिए आगामी 15 वर्षों तक वार्षिक कर में छूट दी जाएगी।

महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा सम्मानित नागपुर के मूर्धन्य साहित्यकारों का नगर सत्कार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई। मुंबई में आयोजित महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के वर्ष 2024- 25 के पुरस्कार समारोह में सम्मानित होने वाले नागपुर के मूर्धन्य साहित्यकारों के नगर सत्कार का गरिमापूर्ण समारोह अकादमी की उपाध्यक्षा और नागपुर प्रतिनिधि श्रीमती प्रियंका शक्ति ठाकुर की अध्यक्षता में विदर्भ हिंदी साहित्य सम्मेलन के साकेत सभागार में सम्पन्न हुआ। इस समारोह में सुश्री मीरा जोगलेकर की सरस्वती वंदना के बाद अकादमी की उपाध्यक्षा श्रीमती प्रियंका ठाकुर का स्वागत रूबी दास ' अरु ' ने किया। संचालन करते हुए प्रस्तावना में साहित्यकार अविनाश बागड़े ने अकादमी द्वारा पुरस्कृत और जिन्हें इस वर्ष सम्मान नहीं मिल सका, ऐसे व्यक्तियों की प्रतिक्रियाओं को एक सहज मानवीय प्रवृति बताया। मुख्य कार्यक्रम में नागपुर के वरिष्ठ साहित्यकारों इंदिरा किसलय, कृष्ण नागपाल, प्रभा ललित सिंह, सत्येंद्र प्रसाद सिंह, माधुरी मिश्रा और संतोष बादल ने अकादमी द्वारा सम्मानित तीनों सत्कार मूर्तियों का सत्कार किया। तत्पश्चात तीनों ने अपने अपने मनोगत व्यक्त किये। श्रीमती आभा सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि पुरस्कार या सम्मान को लक्ष्य में रखकर कोई भी शब्दशिल्पी रचना नहीं करता। रचना में अन्तर्निहित सत्य ही उसे सम्मान दिलाता है। रचनाकार का काम है पूरी निष्ठा से लेखन करना अगर उसका लेखन उत्कृष्ट है, तो पाठक उसे निश्चय ही श्रेय देंगे। डॉ. मनोज पाण्डे की स्वाभाविक उक्ति थी कि हर व्यक्ति को सम्मान अच्छा लगता है और सच्चे सम्मान से नई ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा कि सम्मान उसी को मिलना चाहिये, जो उसका हकदार है। प्रारब्ध से जो कुछ मिला उसे और अधिक बेहतर बनाने का प्रयास होना चाहिये। वरिष्ठ साहित्यकार रामकृष्ण सहस्त्रबुद्धे ने निरूपित किया कि सम्मान तो सृजनधर्मिता का प्रतीक है।मेरे सृजन के पहले पाठक मेरे पिता थे। उन्होंने कहा कि पुरस्कार प्रेरणा देते हैं तथा साथ में समाज को दिशा देने की चुनौती भी पेश करते हैं। अतः शब्दों की सार्थकता इसी में है कि वह पाठक को आन्दोलित करे। हम अगर शब्दोपासक हैं, तो उसके प्रयोग के प्रति सचेत रहें।विचारिक परिवर्तन की भूमिका में खरे उतरते हैं, तो यह सृजन का सच्चा अवदान है। अकादमी की उपाध्यक्षा श्रीमती प्रियंका ठाकुर ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि पद की गरिमा को बनाये करना काफी मुश्किल है। उन्होंने कहा कि नागपुर के रचनाकारों के लिए सम्मान का यह उत्सव अत्यन्त सुखद है। विशेषतः महिला रचनाकारों को सम्मान मिलना अधिक गौरवपूर्ण है, क्योंकि वे घर, नौकरी और व्यवसाय के साथ लेखन का चुनौतीपूर्ण दायित्व सम्भालती हैं। उन्होंने कहा कि नागपुर साहित्य के क्षेत्र में उत्तरोत्तर अपना महत्वपूर्ण योगदान दर्ज कर रहा है। उन्होंने बताया कि

स्वर्णिम साल आर एस एस -पर मैं काम कर रही हूँ और चाहती हूँ कि यह काम पाठकों तक पहुँचे। टीकाराम साहू आजाद ने कहा कि सम्मान सभी को प्रोत्साहित करता है। उन्होंने चिंता जताई कि अखबारों से साहित्य गायब होता जा रहा है। ऐसे में अगर श्रेष्ठ लेखन लोगों तक न पहुँचे, तो उसकी उपादेयता क्या है ? आभार प्रदर्शन करते हुए श्री एस पी सिंह ने जमीन के हर जर्रे को आफताब कर देंगे इस विश्वास को सृजन की नींव बताया और कहा कि जब तक हम दूसरों की खुशियों में शरीक न होंगे, हमारी खुशी में कौन शरीक होगा ? कार्यक्रम के गरिमामय स्वरूप को द्विगुणित करने हेतु साकेत सभागार में सर्वश्री किशन शर्मा, सुप्रसिद्ध मंच संचालक, नीरज श्रीवास्तव संपादक पावर ऑफ वन, अजय पांडे वरिष्ठ पत्रकार, मुकेश कुमार सिंह,पूनम मिश्रा, देवयानी बनर्जी, बनर्जी सर, सिंह साहब, रामटेके सर, रुचिता, डॉ सुमिता कोंडबतुनवार , मंजूषा किंजवड़ेकर और उमाशंकर नामदेव ने प्रमुख भूमिका निभाई।

पश्चिम रेलवे : उपलब्धियाँ हासिल कर बेंचमार्ग स्थापित करते हुए निरंतर अग्रसर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, भारतीय रेल में कई मोर्चे पर अग्रणी रहने का गौरव प्राप्त करने वाली पश्चिम रेलवे ने एक बार फिर वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हासिल करके अपनी उत्कृष्टता साबित की है। पश्चिम रेलवे माल लदान और माल राजस्व, यात्री राजस्व, बुनियादी ढांचे के उन्नयन और संवर्धन, सुरक्षा कार्यों, यात्री सुविधाओं आदि के क्षेत्रों में प्रभावशाली प्रदर्शन हासिल करने में सक्षम रही है। ये उपलब्धियां पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र के गतिशील नेतृत्व और बहुमूल्य मार्गदर्शन में संभव हुई हैं।

बुनियादी ढांचागत विकास

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 346 किलोमीटर नई लाइन, गेज परिवर्तन और दोहरीकरण का काम पूरा हो चुका है। यह वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान किसी भी रेलवे जोन द्वारा किया गया सर्वोत्तम है।

191 आरकेएम के लक्ष्य के मुकाबले 197 रूट किलोमीटर (फड्ट) विद्युतीकरण का कार्य पूरा हो चुका है। इसके साथ ही, पश्चिम रेलवे का 100% विद्युतीकरण हो चुका है। पश्चिम रेलवे ने कवच (संस्करण 4.0) सुरक्षा प्रौद्योगिकी के नवीनतम संस्करण की स्थापना पूरी कर ली है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, 644 रूट किमी पर कवच प्रौद्योगिकी स्थापित की गई और 205 रूट किमी पर ट्रेन परीक्षण शुरू होंगे।

2024-25 में पश्चिम रेलवे पर 140 आरओबी/आरयूबी का निर्माण किया जाएगा, जो भारतीय रेल पर सबसे अधिक है।

भारतीय रेल पर पश्चिम रेलवे द्वारा सबसे अधिक लंबाई की डब्ल्यू-बीम बाड़ लगाई गई है, जो वर्ष 2024-25 के दौरान 561 किलोमीटर तक बिछाई गई। इससे मवेशियों के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटनाओं में बड़ी कमी आई है, जिससे समयपालनता और संरक्षा में वृद्धि हुई है। जहां तक लेवल क्रॉसिंग गेटों को हटाने का सवाल है, पश्चिम रेलवे भारतीय रेल के सभी क्षेत्रीय रेलों में सर्वश्रेष्ठ है। वित्त वर्ष 2024-25 में 108 मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग गेटों को हटा दिया गया है।

पश्चिम रेलवे ने 410 वेल्डेबल कास्ट मैंगनीज स्टील क्रॉसिंग बिछाई हैं, जो भारतीय रेलवे में सर्वश्रेष्ठ है। इससे यात्रा करने में सुविधा और यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारतीय रेल पर डायनेमिक टैम्पर्स, बैलस्ट क्लीनिंग मशीनों जैसी ट्रैक मशीनों का उपयोग सबसे अच्छा रहा है। यह उस प्राथमिकता को रेखांकित करता है जो पश्चिम रेलवे परिसंपत्ति रखरखाव और सुरक्षा को देती है।

सिगनल विफलता की घटनाओं में पिछले वर्ष की तुलना में 20% की कमी आई है।

पश्चिम रेलवे मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में 95% समयपालनता के साथ संपूर्ण भारतीय रेल में शीर्ष पर है।

पश्चिम रेलवे ने भारतीय रेल पर पहली बार टर्नआउट्स का फॉर्मेशन ट्रीटमेंट शुरू किया है। बैलस्ट क्लीनिंग मशीनों के संचालन के दौरान कुल 61 टर्नआउट्स का फॉर्मेशन ट्रीटमेंट किया गया है। इससे सवारी में आराम, संरक्षा में उल्लेखनीय सुधार और रखरखाव की आवश्यकता कम होगी।

हंगरी फॉर कार्गो

पश्चिम रेलवे ने 2024-25 में 102 मिलियन टन माल लदान करके लगातार तीसरे वर्ष 100 मिलियन टन क्लब में प्रवेश किया है। पश्चिम रेलवे एकमात्र गैर-कोयला बेल्ट क्षेत्रीय रेलवे है जिसने विविध माल ढुलाई और कोयले के केवल 8% हिस्से के साथ यह उपलब्धि हासिल की है।

पश्चिम रेलवे ने पिछले वर्ष की तुलना में चालू वर्ष में कंटेनर, पीओएल (पेट्रोलियम, तेल और स्नेहक) और उर्वरकों की लोडिंग में वृद्धि दिखाई है। यह भारतीय रेल के सभी क्षेत्रीय रेलवे में प्रथम स्थान पर है।

कंटेनर-पश्चिम रेलवे का योगदान 32.33 मिलियन टन (भारतीय रेल का 37% हिस्सा) है।

उर्वरक-पश्चिम रेलवे का योगदान 16.09 मिलियन टन (भारतीय रेल का 27% हिस्सा) है।

पीओएल-पश्चिम रेलवे का योगदान 13.01 मिलियन टन (भारतीय रेल का 24% हिस्सा) है।

राजस्व में वृद्धि

यात्री राजस्व 7840 करोड़ रुपये से अधिक है जो पिछले वर्ष की तुलना में 7% अधिक है।

वित्त वर्ष 2024-25 में 13790 करोड़ रुपये का माल ढुलाई राजस्व हासिल किया गया।

टिकट चेकिंग से 150 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व संग्रह।

पश्चिम रेलवे नॉन-फेयर रेवेन्यू के अंतर्गत भारतीय रेल पर दूसरे स्थान पर है, जिसने 110.47 करोड़ रुपए अर्जित किए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10% अधिक है।

पश्चिम रेलवे ने 500 करोड़ रुपये का मील का पत्थर पार कर लिया है और स्क्रैप बिक्री से 564 करोड़ रुपये की आमदनी हुई है, जो रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य से 41% अधिक है और भारतीय रेल में दूसरा सबसे बड़ा है।

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल ने दिवंगत रेल कर्मचारियों के बच्चों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पत्र प्रदान किये

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा सहानुभूति और समर्थन के संकेत के रूप में छह दिवंगत रेल कर्मचारियों के पात्र आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह द्वारा लाभार्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए।पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे द्वारा अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों की आर्थिक भलाई को सर्वोच्च स्तर की जिम्मेदारी के साथ प्राथमिकता दी गई है और उसकी रक्षा की गई है। पश्चिम रेलवे द्वारा दिवंगत रेल कर्मचारी के पात्र आश्रितों को कम से कम समय में अनुकंपा के आधार पर नियुक्तियाँ प्रदान करना सुनिश्चित किया गया है। पिछले साल, जरूरतमंद कर्मचारियों की सहायता के लिए अपने समर्पण का प्रदर्शन करते हुए पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल

मंडल ने 100 से अधिक अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए थे। साथ ही, पिछले वर्ष के दौरान रिकॉर्ड संख्या में कर्मचारियों को उनके करियर की प्रगति और संबंधित भत्तों के साथ-साथ लाभों को ध्यान में रखते हुए पदोन्नति दी गई थी।मुंबई सेंट्रल मंडल कर्मचारी कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के प्रति दृढ़ है तथा अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों की भलाई को हमेशा महत्व देता है।

गैर-किराया राजस्व में मध्य रेल भारतीय रेलवे में प्रथम स्थान,टिकट जाँच में बेजोड़ प्रदर्शन

- रिकॉर्ड-तोड़ गैर-किराया राजस्व आय
- गैर-किराया राजस्व में मध्य रेल, भारतीय रेलवे में प्रथम स्थान पर है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मध्य रेल ने गैर-किराया राजस्व (एनएफआर) आय में सभी क्षेत्रीय रेलवे को पीछे छोड़ दिया है, जिसने वित्त वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड-तोड़ 131.86 करोड़ रुपये हासिल किए हैं, जो पिछले वर्ष की 122.35 करोड़ रुपये की आय से 7.77% अधिक है। रेलवे बोर्ड ने 137.30 करोड़ रुपये का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है, जो किसी भी जोन के लिए सबसे अधिक है, जिसमें अभिनव राजस्व सृजन में मध्य रेल के नेतृत्व को मान्यता दी गई है।मध्य रेल के मुंबई मंडल को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ?100 करोड़ की गैर-किराया राजस्व आय हासिल करने वाला भारतीय रेलवे का पहला मंडल होने का गौरव भी प्राप्त है।इसे भारतीय रेलवे के सभी 68 मंडलों में से प्रथम होने का गौरव भी प्राप्त है, जिसने पिछले 3 वर्षों से यह स्थान बरकरार रखा है।

विकास को बढ़ावा देने वाली प्रमुख एनएफआर पहलों में शामिल हैंः

विज्ञापन और ब्रांडिंगः मेमू ट्रेनों में ऑडियो विज्ञापन, ग्लो साइन बोर्ड, पब्लिक एड्रेस सिस्टम और स्विंग डोर ग्लास पैनल विज्ञापन।

बैटरी से चलने वाली गाड़ियां, आराम कुर्सियां, पेय वेंडिंग मशीन, आधुनिक प्रतीक्षा कक्ष जैसी यात्री सुविधाओं पर विज्ञापन।

पर्यटक सूचना केंद्र, एटीएम, स्लीपिंग पॉड, डिजिटल स्क्रीन (61 एलईडी/एलसीडी/प्लाज्मा टीवी) जैसी स्टेशन सुविधाओं पर विज्ञापन।

परिचालन आउटसोर्सिंगः सार्वजनिक घोषणा प्रणाली संचालन, दरवाजा बंद करने और वैगन-सफाई अनुबंध।

अभिनव उद्यमः दोपहिया और अन्य पार्सल के लिए पैकिंग सेवाएं, ऐप-आधारित इलेक्ट्रिक वाहन सेवाएं और पार्सल स्कैनर।

इन पहलों से न केवल राजस्व में वृद्धि हुई है, बल्कि परिचालन लागत भी कम हुई है, जिससे मंडलों में 630.90 लाख रुपये की पूंजी और जनशक्ति की बचत हुई है ।

वाणिज्यिक उपक्रमों का विस्तार

रेस्टोरेंट ऑन व्हील्सः अकोला, पुणे, नासिक, शेगाँव, जलगाँव, दादर, एलटीटी, अकुर्दी और चिंचवड़ में नौ अनुबंध दिए गए। शेगाँव, जलगाँव और सोलापुर में आगामी लॉन्च। स्लीपिंग पॉड्सः सीएसएमटी, एलटीटी और नासिक में पूरी तरह से चालू। सस्ती दवाइयाँः एलटीटी, मनमाड, पिंपरी, सोलापुर, दादर, कलबुरगि और नागपुर में सात प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र चालू हैं, जो 16,961 वस्तुओं की बिक्री करके 6,19,292/- रुपये का राजस्व उत्पन्न कर रहे हैं।

स्थानीय कारीगरों को सशक्त बनाना

मध्य रेल 160 वन स्टेशन वन प्रोडक्ट (ओएसओपी) स्टॉल के माध्यम से वोकल फॉर लोकलह्व आंदोलन को आगे बढ़ा रहा है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

बागपत, दिल्ली-सहारनपुर नेशनल हाईवे पर एक सड़क हादसे में 23 वर्षीय नफीस की जान चली गई। नफीस बड़ौत में अपने दोस्तों को ईद की दावत देकर वापस लौट रहा था।

पश्चिम रेलवे

ट्रैक बॉन्डिंग कार्य

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (उप), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई 400 008. ई-निविदा आमंत्रित करता है सूचना क्रमांकः WR-MMCTOESUB (ESOT)/ 11/2025. कार्य का नाम यूपीएल और यूपीटीएच लाइन पर टीआरआर (पी) - 17.219 टीकेएम और टीएसआर (पी) - 63.968 टीकेएम, डीएनएल, डीएनएचएच और एसटीए लाइन पर टीआरआर (पी)-7.429 टीकेएम और टीएसआर (पी)-65.094 टीकेएम के संबंध में ट्रैक बॉन्डिंग कार्य। **कार्य की अनुमानित लागतः** रु.55,36,822.4/-। **बोली सुरक्षाः** रु.1,10,700/-। प्रस्तुत करने की **तिथि और समयः** निर्धारित तरीके से 30.04.2025 को 15:00 बजे के बाद नहीं। **खुलने की तिथि और समयः** 30.04.2025 को 15:30 बजे। वेबसाइट विवरणः निविदा को वेबसाइट www.ireps.gov.in के माध्यम से देखा और प्रस्तुत किया जा सकता है।

1256

: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी तीन समर स्पेशल ट्रेनें

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा ट्रेन संख्या 09189/09190 मुंबई सेंट्रल-कटिहार साप्ताहिक स्पेशलऔर 07062/07061 भावनगर टर्मिनस-हैदराबाद साप्ताहिक स्पेशल के फेरे विस्तारित

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष रूप से ग्रीष्मकाल के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराये पर तीन स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09189/09190 मुंबई सेंट्रल-कटिहार साप्ताहिक स्पेशल तथा 07062/07061 भावनगर टर्मिनस-हैदराबाद साप्ताहिक स्पेशल के फेरों को विस्तारित किया गया है।पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 04828/04827 बांद्रा टर्मिनस भगत की कोठी साप्ताहिक स्पेशल [26 फेरे]

ट्रेन संख्या 04828 बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी स्पेशल प्रत्येक रविवार को बांद्रा टर्मिनस से 10.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04.30 बजे भगत की कोठी पहुंचेगी। यह ट्रेन 06 अप्रैल से 29 जून, 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 04827 भगत की कोठी-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक शनिवार को भगत की कोठी से 14.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.25 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 05 अप्रैल से 28 जून, 2025 तक चलेगी।यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, साबरमती, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, पिंडवाड़ा, जवाई बांध, फालना, रानी, मारवाड़, पाली मारवाड़ और लूनी स्टेशनों पर रुकेगी।इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3-टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 04714/04713 बांद्रा टर्मिनसझ्र बीकानेर सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल [26 फेरे]

ट्रेन संख्या 04714 बांद्रा टर्मिनस-बीकानेर स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को बांद्रा टर्मिनस से 16.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.50 बजे बीकानेर पहुंचेगी। यह ट्रेन 04 अप्रैल से 27 जून, 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 04713 बीकानेर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को बीकानेर से 17.20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.40 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 03 अप्रैल से 26 जून, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, आणंद, नडियाद, साबरमती, महेसाणा, भीलड़ी, रानीवाड़ा, मारवाड़ भीनमाल, मोदरान, जालोर, मोकलसर, समदड़ी, लूनी, जोधपुर, मेड़ता रोड, नागौर और नोखा स्टेशनों पर रुकेगी।इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 03418/03417 उधना-मालदा टाउन स्पेशल ट्रेन [02 फेरे]

ट्रेन संख्या 03418 उधना - मालदा टाउन स्पेशल सोमवार, 14 अप्रैल को 12.30 बजे उधना से प्रस्थान करेगी और बुधवार को 02.55 बजे मालदा टाउन पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 03417 मालदा टाउन - उधना स्पेशल शनिवार, 12 अप्रैल, 2025 को मालदा टाउन से 12.20 बजे प्रस्थान करेगी और सोमवार को 00.45 बजे उधना पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, व्यारा, नवापुर, नंदुरबार, दोंडाइचा, अमलनेर, भुसावल, इटारसी, पिपरिया, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, पटना, बख्तियारपुर, किऊल, अभयपुर, जमालपुर, सुल्तानगंज, भागलपुर, कहलगांव, साहिबगंज, बरहरवा और न्यू फरक्का स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ड्ट ट्रेन संख्या 07062/07061 भावनगर टर्मिनस-हैदराबाद साप्ताहिक स्पेशल का विस्तारः

ट्रेन संख्या 07062 भावनगर टर्मिनस-हैदराबाद साप्ताहिक स्पेशल को 01 जून, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 07061 हैदराबाद-भावनगर टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल को 30 मई, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09189/09190 मुंबई सेंट्रल-कटिहार साप्ताहिक स्पेशल का विस्तारः

ट्रेन संख्या 09189 मुंबई सेंट्रल- कटिहार साप्ताहिक स्पेशल को 26 अप्रैल, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09190 कटिहार - मुंबई सेंट्रल साप्ताहिक स्पेशल को उधना स्टेशन को छोड़कर मौजूदा संरचना, मार्ग, समय और ठहराव पर 29 अप्रैल, 2025 तक विस्तारित किया गया है। ये ट्रेनें अब उधना के बजाय सूरत स्टेशन पर रुकेंगी।

ट्रेन संख्या 04828, 04714 तथा ट्रेन संख्या 09189 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 03 अप्रैल, 2025 से शुरू होगी, जबकि ट्रेन संख्या 03418 एवं ट्रेन संख्या 07062 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 04 अप्रैल, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और IRCTC की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.inपर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

महाटेंडर पोर्टल लिंक

विभाग	मुख्य अभियंता (सीवरेज संचालन)
विभाजन	अधिशासी अभियंता यांत्रिक (सिव.) डब्रूयू.एस.
निविदा संदर्भ संख्या	2025 MCGM 1166678 1
विषय	मालवणी पंपिंग स्टेशन पर गीले कुएं वाले भाग पर यांत्रिक स्तर सूचक की मरम्मत और प्रतिस्थापन।
निविदा की बिक्री	From 03. 04. 2025 समय 11.00 बजे To 09. 04. 2025 समय 04.00 बजे
वेबसाइट	https://mahatenders.gov.in अब से कोई भी शुद्धिपत्र या परिशिष्ट केवल बीएमसी पोर्टल/महाटेंडर पोर्टल लिंक साइट पर ही प्रकाशित किया जाएगा।
संचार अधिकारीः	-
नाम	श्री.कृष्ण पाटिल
टेलीफोन नंबर	26368681
मोबाइल नंबर	9820048895
ई-मेल पता	eemechsws.so@mcgm.gov.in

पीआरओ/18/विज्ञा0/2025-26

हस्ताक्षर
ई. ई. मैकेनिक (सीव.) डब्रूयू. एसजे

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ अवश्य धोएं

पद्मश्री नृत्यांगना साम्राज्ञी सितारा देवी का 31वां महोत्सव मना

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई (युनिस खान) महान नृत्यांगना सितारा देवी गुरुकुल, कला कृति केंद्र द्वारा प्रस्तुती नृत्य साम्राज्ञी पद्मश्री सितारा देवी महोत्सव के 31वां वर्ष पर मुंबई स्थित एस पी जीमर ऑडिटोरियम भारतीय विद्या भवन परिसर अंधेरी वेस्ट मे महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें कलाकार श्रीमती सुधा सिंह (पूर्व नगर सेवीका वार्ड 67) द्वारा कथक नृत्य, ऋषिका मिश्रा और विशाल कृष्ण द्वारा कथक नृत्य (जुगलबंदी) (आचार्य सुखदेव महाराज बनारस घराना), पंडित राम मोहन महाराज और कथक की महारानी जयंती माला मिश्रा द्वारा कथक नृत्य (जुगलबंदी) (लखनऊ घराना और बनारस घराना) द्वारा प्रस्तुत किया गयकार्यक्रम का उद्घाटन रंजीत बारोट (ढोलकिया, संगीत संगीतकार और गायक), पद्मश्री डॉ. सोमा घोष (स्वर) द्वारा किया गया। कला कृति केंद्र महोत्सव का 31वां वर्ष भारत के कोने-कोने से आए प्रसिद्ध कथक कलाकारों द्वारा शानदार कथक प्रस्तुतियों से यह महोत्सव श्रीमती जयंती माला मिश्रा और श्री राजेश मिश्रा द्वारा आयोजित किया गया।, जो दर्शकों के लिए एक रंगारंग और मनमोहक संगीतमय प्रस्तुति रहो कलाकारों ने अपनी सुंदर, मंत्रमुग्ध करने वाली, समन्वित, अभिव्यंजक, अनुकरणीय, आकर्षक और त्रुटिहीन प्रस्तुतियों से शाम को सजाया गया। यह वास्तव में शास्त्रीय नृत्य शैलियों का उत्सव ही नही महोत्सव बना।

दिवा अगासन क्षेत्र में मनपा ने खंडित किए 24 अनाधिकृत नल कनेक्शन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , ठाणे मनपा के जल आपूर्ति विभाग ने बुधवार को दिवा-अगासन क्षेत्र में 24 अनधिकृत नल कनेक्शन काट दिए। साथ ही उसी क्षेत्र में संचालित अनाधिकृत टैंकर फिलिंग स्टेशन को भी तत्काल बंद कर दिया गया। यह कार्रवाई एवं निरीक्षण अभियान आगे भी जारी रहेगा।मनपा आयुक्त सौरभ राव ने अनाधिकृत नल कनेक्शनों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।जिसके तहत अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे और अभियंता प्रशांत सोनगरा के मार्गदर्शन में, बुधवार को दिवा-अगासन क्षेत्र में अनधिकृत नल कनेक्शन तोड़ने की कार्रवाई की गई। इसी क्षेत्र में संचालित अनाधिकृत टैंकर फिलिंग स्टेशन के पंप व पाइपलाइन को जब्त कर लिया गया। साथ ही अनाधिकृत टैंकर फिलिंग स्टेशन भी बंद कर दिए गए हैं। उपनगरीय अभियंता विनोद पवार ने बताया कि इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जा रही है। टैंक, मोटर पंप जब्त कर लिए गए। यह कार्रवाई मुंब्रा-दिवा प्रभाग समिति के अतिक्रमण विभाग और जल आपूर्ति विभाग ने संयुक्त रूप से मंडल उपायुक्त मनीष जोशी, उपायुक्त (अतिक्रमण) शंकर पटोले, उपनगर अभियंता विनोद पवार, कार्यकारी अभियंता शशिकांत सालुंके, प्रशांत फिरके की उपस्थिति में की है।

मंदिर के पास शराब दुकान से लोग परेशान

बलिया में स्थानीय लोगों ने क्रमिक अनशन शुरू किया, मुख्यमंत्री को पत्र भेजा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बलिया, मवेशी अस्पताल रोड पर श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास स्थित शराब की दुकान को हटाने की मांग तेज हो गई है। स्थानीय लोगों ने क्रमिक अनशन शुरू कर दिया है।इस मार्ग पर राजकीय इंटर कॉलेज और राजकीय पुस्तकालय भी स्थित हैं। पिछले कुछ वर्षों से यहां अंग्रेजी शराब की कम्पोजिट दुकान संचालित है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस दुकान को हटाने के लिए कई बार प्रशासन से गुहार लगाई जा चुकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह दुकान आबकारी नियमों के विरुद्ध है। उनकी मांग है कि या तो शराब की दुकान हटाई जाए या फिर श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर और राजकीय पुस्तकालय को दूसरी जगह स्थानांतरित किया जाए।

फास्ट ट्रैक

विन्ध्य महोत्सव में भक्तिमय हुआ माहौल

बॉलीवुड गायक वरदान सिंह और स्थानीय कलाकारों ने देवी गीतों से बांधा समां

मिर्जापुर, विन्ध्याचल धाम में नवरात्रि मेले के दौरान आयोजित विन्ध्य महोत्सव में भक्तिमय माहौल का निर्माण हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष एवं राज्यमंत्री सोहन लाल श्रीमाली ने देवी चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। मुंबई से आए बॉलीवुड गायक वरदान सिंह ने अपनी टीम के साथ देवी गीत 'मेरी नैय्या उस पार लगाना पड़ेगा माता रानी मेरे दर पे आना ही पड़ेगा' सहित कई भजनों की प्रस्तुति दी। स्थानीय प्रतिभाओं में बिरहा गायक बद्री कवि, निर्मला प्रजापति, श्रीलक्ष्मी और रमेश भवरा ने भी देवी गीतों और भजनों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। राज्यमंत्री श्रीमाली ने कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाले सभी कलाकारों को स्मृति चिन्ह और चुनरी देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि विन्ध्य महोत्सव मिर्जापुर की संस्कृति और लोक विधाओं को प्रदेश और देश के कोने-कोने तक पहुंचाने का सुनहरा अवसर है। कार्यक्रम के दौरान नोडल अधिकारी पर्यटन शक्ति प्रताप सिंह ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह और मां की चुनरी भेंट की। साथ ही, सूचना विभाग के कर्मचारियों ने सांस्कृतिक पंडाल और रोडवेज मार्ग पर प्रदेश सरकार की 8 वर्षीय उपलब्धियों की पुस्तिका का वितरण किया।

बाइक पर पिता-पुत्र को ट्रक ने मारी टक्कर

75 वर्षीय बुजुर्ग की मौके पर मौत, बेटा गंभीर; वाराणसी रेफर

मिर्जापुर, मिर्जापुर के अहरौरा में एक दर्दनाक सड़क हादसे में पिता-पुत्र की बाइक को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में 75 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना बुधवार को छातो हनुमान घाटी के पास हुई। सोनभद्र के राबर्ट्सगंज निवासी हृदय नाथ पांडेय (75) और उनके बेटे मनीष पांडेय (40) जमूई से बाइक पर घर लौट रहे थे। वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर एक ट्रक ने पीछे से उनकी बाइक को टक्कर मार दी। राहगीरों की सूचना पर डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। चिकित्सकों ने हृदय नाथ पांडेय को मृत घोषित कर दिया। मनीष पांडेय को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक अजय सेठ ने बताया कि पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मिर्जापुर भेज दिया है। क्षतिग्रस्त बाइक को थाने में रखवा दिया गया है।

जेएनसीयू में परास्नातक छात्रों के लिए विशेष पहल

परियोजना निर्माण पर विशेषज्ञों ने दिए गुर, पीएचडी की तैयारी में मिलेगी मदद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

बलिया, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। विभाग ने बुधवार को परास्नातक छात्रों के लिए परियोजना निर्माण पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत परास्नातक कक्षाओं में परियोजना कार्य को एक पेपर के रूप में शामिल किया गया है। द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों को परियोजना कार्य में आने वाली चुनौतियों को देखते हुए यह व्याख्यान आयोजित किया गया।

विभागाध्यक्ष डॉ. प्रियंका सिंह ने परियोजना निर्माण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि परास्नातक स्तर का परियोजना कार्य पीएचडी की नींव है। यह एक लघु शोध प्रारूप है जो भविष्य के शोध कार्य को दिशा देता है। समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. स्मिता ने छात्रों को प्राथमिक और द्वितीयक आंकड़ों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने क्षेत्र आधारित परियोजना कार्य, समग्र और प्रतिदर्श निर्धारण तथा आंकड़ों के विश्लेषण के तरीकों पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम में डॉ. अभिषेक त्रिपाठी और डॉ. विवेक कुमार यादव ने भी परियोजना निर्माण पर अपने विचार साझा किए।

शारदा संगोष्ठी में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

महराजगंज के दो विद्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, शिक्षकों को किया सम्मानित

रायबरेली, क्षेत्र में स्थित दो विद्यालयों में शारदा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उच्च प्राथमिक विद्यालय मऊगर्वी में छात्र-छात्राओं ने नृत्य, गीत और नाटक की प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त शिक्षक जगजीवन सिंह ने परिषदीय विद्यालयों की प्रतिभाओं को सम्मानित किया। प्रधानाध्यापक कंचन सिंह और शिक्षक केशर बक्स सिंह ने अभिभावकों का सम्मान किया। प्राथमिक विद्यालय पूरे अचली में आयोजित संगोष्ठी में भाजपा नेता दिनेश सिंह राठौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यहां भी छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक पंकज सिंह ने एक अनूठी पहल करते हुए सेवानिवृत्त शिक्षकों को पौधे भेंट किए। इनमें समरबहादुर सिंह, शिवशंकर सिंह, रणविजय सिंह, प्रवीण त्रिपाठी, मधुकर सिंह, हेमंत, आलोक सिंह और आमोद श्रीवास्तव सहित कई शिक्षक शामिल रहे।

महाराष्ट्र शासन ने तृतीयपंथियों के अधिकारों के लिए राज्य स्तरीय कल्याण मंडल के पुनर्गठन को मंजूरी प्रदान की

मंडल की सह उपाध्यक्ष डॉ. सानवी जेठवानी और उल्हासनगर की डॉ. योगा नांबियार सदस्य बनी।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. 1 अप्रैल 2025 को सामाजिक न्याय व विशेष सहाय्य विभाग तृतीयपंथीय कल्याण मंडल का पुनर्गठन किया गया। यह मंडल महाराष्ट्र शासन के अंतर्गत तृतीयपंथी समाज को विभिन्न प्रकार की सुविधाएं और सहायता प्रदान करके उनकी शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और आवास संबंधी सुविधाओं का प्रबंध करता है। बीते कुछ दिनों से इस मंडल को पुनर्गठित करने की मांग की जा रही थी। अतः इस मांग के संदर्भ में इसे स्वीकारते हुए राज्य सरकार ने 1 अप्रैल को इसका पुनर्गठन कर दिया गया।महामंडल के सह उपाध्यक्ष के रूप में सानवी जेठवानी और उल्हासनगर की ग्लोबल राईट्स फाउंडेशन की डायरेक्टर डॉ.योगा श्रीलेश श्रीनिवासन नाम्बियार को सदस्य के रूप नियुक्त किया गया है। इन्हें ट्रांसजेंडर समाज का चैंपियन भी कहा जाता है। इन्होंने तृतीयपंथी समाज के अधिकारों, उत्थान और शिक्षा के लिए विशेष कार्य किए हैं। इस समाज के लिए उन्हों बहुत संघर्ष किया है। इन्होंने 2012 में द ग्लोबल राइट्स फाउंडेशन की स्थापना की। इसके माध्यम से समुदाय के सदस्यों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने, आधार कार्ड, पेन कार्ड, बैंक खाते आदि खोलने की दिशा में सहयोग प्रदान करती है। योगा नांबियार जी ट्रांसजेंडरों के साथ यौनकर्मियों, एचआईवी पीड़ितों आदि के लिए भी कार्य करती है।

ठेले से टकराई बाइक, युवक की मौत

- मेला देखकर बाइक से लौट रहे थे तीन लोग, इलाज के दौरान गई जान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, सेहरामऊ दक्षिणी क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा हुआ था। मेला देखकर लौट रहे तीन लोगों की बाइक एक ठेले से टकरा गई थी। हादसे में गंभीर रूप से घायल 31 वर्षीय विशंदर की बरेली में इलाज के दौरान मौत हो गई। बवक्करपुर गांव निवासी विशंदर अपने बेटे सुरजीत और भाई हरपाल के साथ मेला देखने गए थे। वापसी के दौरान उनकी बाइक की टक्कर एक ठेले से हो गई। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पहले राजकीय मेडिकल कॉलेज लाया गया। विशंदर की हालत ज्यादा गंभीर होने के कारण उन्हें बरेली रेफर किया गया। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सुरजीत और हरपाल का इलाज अभी जारी है। पुलिस ने तहरीर लेने से मना किया परिजनों का आरोप है कि टक्कर के बाद ठेले वाले ने अपने साथियों के साथ मिलकर विशंदर के साथ मारपीट की। इस मामले में पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों का कहना है कि जब वे थाने में ठेले वाले के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने गए, तो पुलिस ने इसे सिर्फ एक्सीडेंट बताकर तहरीर लेने से मना कर दिया। परिजन न्याय की मांग कर रहे हैं।

गाजीपुर सविलित विद्यालय द्वारा स्कूल चलो अभियान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रतापगढ़ (उप्र) मान्धाता विकास खंड के ग्राम सभा गाजीपुर स्थित सविलित विद्यालय द्वारा अभिभावकों और बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए रैली निकाली गयी, स्कूल चलो अभियान के तहत ग्राम सभा में भ्रमण कर गाजीपुर संविलित विद्यालय की टीम ने अभिभावकों से बातचीत कर शिक्षा के महत्व को बताते हुए बच्चों को स्कूल भेजने की अपील की गई है। शिक्षकों ने बताया कि विद्यालय ने बेहतर शिक्षा को लेकर विभाग और अभिभावक वर्ग के बीच विश्वास मजबूत किया है और यह विद्यालय निपुण भारत मिशन में शामिल हुआ है। ग्राम सभा के लोगों ने गाजीपुर संविलित विद्यालय द्वारा निकाली गयी इस रैली में शामिल होकर स्वागत किया। गाजीपुर संविलित विद्यालय द्वारा निकाली गयी स्कूल चलो अभियान रैली में विद्यालय के सभी शिक्षक, स्टाफ और ग्राम सभा के लोग उपस्थित थे।

कॉलेज में प्रवक्ता और चपरासी से मारपीट

जलालाबाद में लिपिक निलंबित; प्रबंधक और प्रधानाचार्य को भी धमकाता था

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, स्थित काकोरी शहीद इंटर कॉलेज में एक लिपिक की दादागिरी का मामला सामने आया है। कॉलेज प्रबंधन ने लिपिक मनोज सिंह को निलंबित कर दिया है। मनोज सिंह पर कई गंभीर आरोप हैं। उन्होंने विद्यालय में कार्यरत प्रवक्ता महेंद्र यादव और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी जितेंद्र कुमार के साथ मारपीट की। दोनों को नौकरी से निकालने की धमकी भी दी। पीड़ितों ने इसकी शिकायत प्रबंधक समिति और थाने में की। प्रबंध समिति के अनुसार, मनोज सिंह अक्सर विद्यालय से अनुपस्थित रहते थे। वे हठधर्मिता से उपस्थिति पंजिका में जबरन हस्ताक्षर कर देते थे। विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारियों के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करते थे। इतना ही नहीं, मनोज सिंह प्रधानाचार्य के कार्यालय में जाकर उन्हें धमकाते थे। उन्होंने प्रबंधक को पद से हटाने की धमकी दी और इस संबंध में एक वीडियो भी जारी किया। इन सभी कारणों के चलते प्रबंध समिति ने उन्हें निलंबित करने का निर्णय लिया।

ब्लाक मांधाता समिति के अध्यक्ष राकेश सरोज और महामंत्री बने सुभाष चंद्र

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रतापगढ़ (उप्र) ,मांधाता विकास खंड के सभागार में प्रभारी सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) एवं जिला महामंत्री ग्राम पंचायत अधिकारी की उपस्थिति में सर्वसम्मति से समिति का गठन हुआ। जिसमें ग्राम पंचायत अधिकारियों की समिति मांधाता विकास खंड के अध्यक्ष बने राकेश सरोज, महामंत्री बने सुभाष चंद्र, उपाध्यक्ष बनी शीला यादव और कोषाध्यक्ष बने राजेश वर्मा, प्रधान संघ अध्यक्ष राजेंद्र सिंह बबऊ सिंह, प्रभारी एडीओ पंचायत काशी नाथ वर्मा और प्रधान प्रतिनिधि राहुल यादव ने माला पहनाकर नई कार्यकारणी का स्वागत कियाऔर शुभकामना दी।ग्राम पंचायत अधिकारियों की समिति के गठन के संबंध में मांधाता विकास खंड की ग्राम पंचायत अधिकारी में शमा, नेहा सिंह, रुचि वर्मा, ज्ञान प्रकाश, चंद्र प्रताप, राजेश कुमार के साथ अन्य प्रधान उपस्थित रहे।

लोकदल ने कलेक्ट्रेट में किया प्रदर्शन

मेडिकल कॉलेज में मरीजों की परेशानी, न्याय पंचायत में मैदान समेत 8 मांगें रखीं

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, लोकदल के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में नारेबाजी के साथ प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रशासन को 8 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। लोकदल के जिला अध्यक्ष नरेंद्र यादव ने कहा कि राजकीय मेडिकल कॉलेज में मरीजों के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। मरीजों को बाहर से दवाएं खरीदने को मजबूर किया जाता है। प्रमुख मांगों में हर न्याय पंचायत में एक मैदान का निर्माण शामिल है। डीएपी समेत खाद और दवाओं के बढ़े दाम कम करने की मांग की गई है। पुवायां तहसील के एक व्यक्ति की संपत्ति और शस्त्र लाइसेंस की जांच की मांग भी की गई है। मांग पूरी न हुईं तो आंदोलन होगा बिजली विभाग पर उपभोक्ताओं का उत्पीड़न करने का आरोप लगाया गया। गेहूं की बिक्री में बिचौलियों को हटाने और घटतौली रोकने की मांग की गई। पूर्व ग्राम प्रधानों, डीडीसी सदस्य और जिला पंचायत सदस्यों को एमएलसी-एमपी की तरह पेंशन देने की मांग रखी गई। वाहन चेकिंग में पक्षपात न करने की मांग भी की गई। पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा।

स्कूली किताबों की मनमानी पर डीएम सख्त

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, जिलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार सिंह ने स्कूली किताबों की बिक्री में मनमानी करने वाले दुकानदारों को कड़ी चेतावनी दी है। जनसुनवाई के दौरान कई अभिभावकों ने शिकायत की कि दुकानदार उन्हें एक किताब की जगह पूरा सेट खरीदने के लिए मजबूर कर रहे हैं। डीएम ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत संबंधित दुकानदारों को कार्यालय में बुलाया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि अभिभावकों की सुविधा के अनुसार अलग-अलग किताबें भी बेचनी होंगी। दुकानदार किसी को भी पूरा सेट खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकते। जिलाधिकारी ने कहा कि अभिभावकों की आर्थिक क्षमता को ध्यान में रखते हुए उन्हें जरूरत के अनुसार किताबें उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर भविष्य में इस तरह की कोई शिकायत मिलती है, तो संबंधित दुकानदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में डीएम ने अन्य जनसामान्य की शिकायतें भी सुनीं।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,

2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ

3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)

4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी

5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा

6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण (भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

कोई तो रोक लो...ट्रंप के विरोध में सांसद ने दिया 25 घंटे तक नॉन स्टॉप भाषण

जमकर सुनाई खरी खोटी

एजेंसी

1957 का साल संयुक्त राष्ट्र का मंच भारत के पूर्व केंद्रीय मंत्री वीके कृष्ण मेनन आठ घंटे से अधिक समय तक भाषण दिया था। इसके लिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी शामिल किया गया था। ये तो सभी को पता है कि डोनाल्ड ट्रम्प बहुत अधिक बातें करते हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सार्वजनिक टिप्पणियों को टाइप करने में व्हाइट हाउस (राष्ट्रपति भवन) के स्टेनोग्राफर के पसीने छूटने की खबरें बीते दिनों हमने भी रिपोर्ट की थी। लेकिन अमेरिका में ट्रंप केक विरोध में एक सांसद ने लगातार 24 घंटे से ज्यादा समय तक बोलते हुए एक नया ही मानक स्थापित कर दिया है। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप को जमकर खरी खोटी सुनाई है। न्यू जर्सी के डेमोक्रेटिक सीनेटर कोरी बुकर ने 25 घंटे और 5 मिनट तक चले मैराथन भाषण के साथ सीनेट के फ्लोर पर कब्जा कर लिया, जिसने चैंबर के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार सीनेट फ्लोर भाषण का रिकॉर्ड बनाया। बुकर के भाषण ने 1957 में दिवंगत सीनेटर स्ट्रोम थर्मंड द्वारा निर्धारित 24 घंटे और 18 मिनट के फिलिबस्टर को पीछे छोड़ दिया, जो नागरिक अधिकार कानून को रोकने का एक प्रयास था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन की कार्रवाइयों के विरोध में बुकर ने सोमवार को शाम 6:59 बजे बोलना शुरू किया। बुकर ने जब तक वे शारीरिक रूप से सक्षम हैं, तब तक संयुक्त राज्य अमेरिका की सीनेट के सामान्य कामकाज को बाधित करने का इरादा जताया। उन्होंने मंगलवार रात 8:05 बजे मंच छोड़ा और लगभग सात दशकों से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़ एक नया ही रिकॉर्ड कायम कर दिया। बुकर अपने ऐतिहासिक भाषण के दौरान अकेले नहीं थे। कई मौकों पर सीनेट के अल्पसंख्यक नेता चक शूमर, सीनेटर क्रिस मर्फी, सीनेटर एमी क्लोबुचर, सीनेटर माजी हिरोनो और सीनेटर डिक डर्बिन सहित उनके दर्जनों डेमोक्रेटिक सहयोगी सदन में उनके साथ शामिल हुए। कुछ लोगों ने उनके साथ लंबी बातचीत की, एक ऐसी रणनीति जिसने बुकर को सदन के पटल पर नियंत्रण बनाए रखते हुए अपनी आवाज को शांत रखने की अनुमति दी। सदन के अल्पसंख्यक नेता हकीम जेफ्रीस और कांग्रेसनल ब्लैक कॉकस के सदस्यों सहित डेमोक्रेट भी सीनेट कक्ष में देखने आए। बुकर के चचेरे भाई और भाई, साथ ही डेमोक्रेटिक सहयोगी गैलरी से देख रहे थे। सीनेट के नियमों के अनुसार, किसी सीनेटर को सदन पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए लगातार खड़े होकर बोलना चाहिए। वे ब्रेक के लिए चैंबर से बाहर नहीं जा सकते या शौचालय का उपयोग नहीं कर सकते, और उन्हें पूरे समय खड़े रहना चाहिए। बुकर ने इन नियमों का सख्ती से पालन किया। उन्होंने अपने भाषण से पहले कई दिनों तक उपवास किया था और रात को तरल पदार्थ पीना बंद कर दिया था, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे यथासंभव लंबे समय तक बोल सकें। थरमंड के विपरीत, जिन्होंने कथित तौर पर 1957 में अपने फिलिबस्टर के दौरान बाथरूम ब्रेक लिया था

> न्यू जर्सी के डेमोक्रेटिक सीनेटर कोरी बुकर ने 25 घंटे और 5 मिनट तक चले मैराथन भाषण के साथ सीनेट के फ्लोर पर कब्जा कर लिया, जिसने चैंबर के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार सीनेट फ्लोर भाषण का रिकॉर्ड बनाया। बुकर के भाषण ने 1957 में दिवंगत सीनेटर स्ट्रोम थर्मंड द्वारा निर्धारित 24 घंटे और 18 मिनट के फिलिबस्टर को पीछे छोड़ दिया, जो नागरिक अधिकार कानून को रोकने का एक प्रयास था।

म्यांमार में फिर आया 4.3 तीव्रता का भूकंप, जानें तीव्रता और असर

एजेंसी

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, म्यांमार में 7.7 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप के बाद के झटके आना जारी है, बुधवार को 4.3 तीव्रता का सबसे ताजा भूकंप आया। भूकंप का केंद्र अक्षांशः 20.70 उत्तर, देशांतरः 96.06 पूर्व और 10 किलोमीटर की गहराई पर स्थित है। म्यांमर में भूकंप के बाद राहत एवं बचाव कार्य में जुटे बचाव दल ने बुधवार सुबह राजधानी नेपीता के उस होटल के मलबे से 26 वर्षीय एक व्यक्ति को जीवित बाहर निकाला, जहां वह काम करता था। हालांकि, देश में आए भीषण भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़ने की ही आशंका है क्योंकि भूकंप के पांच दिन बाद भी अधिकतर बचाव दल को केवल शव ही मिल रहे हैं। मलबे में नाइंग लिन टुन के स्थान को सटीक रूप से निर्धारित करने और उसके जीवित होने की पुष्टि करने के लिए एक एंडिस्कोपिक कैमरे का उपयोग किया गया था। व्यक्ति को सावधानीपूर्वक फर्श में छेद करके बाहर निकाला गया। व्यक्ति भूकंप के बाद लगभग 108 घंटे उस होटल में फंसा रहा जहां वह काम करता था। स्थानीय अग्निशमन विभाग द्वारा जारी किए गए वीडियो में नैंग लिन टुन कमजोर लेकिन होश में नजर आ रहा था। म्यांमार में सेना से लड़ रहे थ्री ब्रदरहुड अलायंस से जुड़े एक विपक्षी मिलीशिया ने दावा किया कि सेना ने देर रात चीनी रेड क्रॉस के नौ वाहनों के एक राहत काफिले पर गोलीबारी की। काफिले में मांडले शहर के लिए राहत सामग्री ले जायी जा रही थी, जहां गत शुक्रवार दोपहर 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था और हजारों इमारतें ध्वस्त हो गई थीं, पुल ढह गए थे और सड़कें उखड़ गई थीं। सरकारी टेलीविजन एमआरटीवी के अनुसार, अब तक म्यांमार में 2,886 लोगों की मौत हो चुकी है और 4,639 अन्य घायल हुए हैं, लेकिन स्थानीय मीडिया ने हताहतों की संख्या अधिक संख्या बताई है।

> मलबे में नाइंग लिन टुन के स्थान को सटीक रूप से निर्धारित करने और उसके जीवित होने की पुष्टि करने के लिए एक एंडिस्कोपिक कैमरे का उपयोग किया गया था। व्यक्ति को सावधानीपूर्वक फर्श में छेद करके बाहर निकाला गया। व्यक्ति भूकंप के बाद लगभग 108 घंटे उस होटल में फंसा रहा जहां वह काम करता था। स्थानीय अग्निशमन विभाग द्वारा जारी किए गए वीडियो में नैंग लिन टुन कमजोर लेकिन होश में नजर आ रहा था।

बांग्लादेश में इस्लामी सरकार और शरिया के लिए कट्टरपंथी जुटे

शेख हसीना के हटने के बाद कट्टरपंथियों के निशाने पर अल्पसंख्यक और महिलाएं

एजेंसी

ढाका, अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद पूर्व पीएम शेख हसीना को बांग्लादेश की सत्ता से बेदखल करने में मदद करने वाले इस्लामी कट्टरपंथी अब अपने असली मकसद पर लौट आए हैं। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की अनदेखी के बीच इस्लामी कट्टरपंथी फिर से सक्रिय हो गए हैं। इन पर हसीना सरकार ने प्रतिबंध लगाए थे। वे बांग्लादेश को अधिक कट्टरपंथी दिशा में धकेलने के काम में जुट गए हैं। एक शहर में धार्मिक कट्टरपंथियों ने घोषणा की कि युवा महिलाएं अब फुटबॉल नहीं खेल सकतीं। दूसरे शहर में, उन्होंने पुलिस को एक ऐसे व्यक्ति को छोड़ने के लिए मजबूर किया जिसने सार्वजनिक रूप से अपने बाल न ढकने के कारण एक महिला को परेशान किया था, फिर उसे फूलों की माला पहनाई। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में एक रैली में कट्टरपंथी प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि अगर सरकार इस्लाम का अपमान करने वाले किसी भी व्यक्ति को मौत की सजा नहीं देती है, तो वे अपने हाथों से उसे मौत की सजा देंगे। नए संविधान का मसौदा तैयार कर रहे विभिन्न राजनीतिक दलों के अधिकारियों ने माना कि इस दस्तावेज में बांग्लादेश की परिभाषित विशेषता के रूप में धर्मनिरपेक्षता को समाप्त कर दिया जाएगा। इसके स्थान पर बहुलवाद को स्थापित किया जाएगा बांग्लादेश में हसीना की सरकार गिरने के बाद रात को देशभर में अहमदिया मुस्लिम संप्रदाय के पूजा स्थलों पर भीड़ ने हमले किए। अहमदिया समुदाय अभी भी डर में जी रहा है। उनके प्रार्थना हॉल में उपस्थिति लगभग आधी रह गई है। कट्टरपंथियों की मनमानी से सबसे ज्यादा दुखी छात्राएं हैं, जिन्होंने हसीना को सत्ता से हटाने के आंदोलन में साथ दिया था। उन्हें उम्मीद थी कि एकदलीय शासन की जगह लोकतांत्रिक खुलेपन की व्यवस्था लाएगा, लेकिन अब वे ठगा हुआ महसूस कर रही हैं। ढाका यूनिवर्सिटी की 29 वर्षीय छात्रा शेख तस्नीम अफरोज एमी ने कहा, ₹हम विरोध प्रदर्शनों में सबसे आगे थे। हमने सड़क पर अपने भाइयों की रक्षा की। अब 5-6 महीने बाद पूरी बात बदल गई है।

बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था में महिलाओं का अहम स्थान हैं। देश के वर्क फोर्स में महिलाओं की हिस्सेदारी 37% हैं, जो दक्षिण एशिया में सबसे अधिक है। महिलाकर्मियों को डर है कि 15 वर्षों के बाद चरमपंथी ताकतें सत्ता में आ जाती है तो उनके लिए चुनौतियां बढ़ जाएगी।

चीनी सेना ने ताइवान के आसपास बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास किया

एजेंसी

चीनी सेना ने ताइवान के आसपास के जलक्षेत्र और हवाई क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर सैन्य अभ्यास किया। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के ईस्टर्न थिएटर कमान के प्रवक्ता शी यी के अनुसार इस सैन्य अभ्यास में नौसेना, वायु सेना और रॉकेट बल शामिल थे और इसका उद्देश्य ताइवान की स्वतंत्रता को गंभीर चेतावनी देना था। ताइवान के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, चीन की जबरदस्त सैन्य उकसावेबाजी न केवल ताइवान जलडमरूमध्य में शांति के लिए खतरा है बल्कि पूरे क्षेत्र में सुरक्षा को कमजोर करती है। हम चीन के आक्रामक व्यवहार की कड़ी निंदा करते हैं। ताइवान के रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने कहा, मैं कहना चाहता हूं कि ये कार्रवाई क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के विनाश को प्रतिबिंबित करती हैं। कू ने कहा कि ताइवान ने इस तरह के अभ्यासों की निगरानी के लिए एक केंद्रीय समूह स्थापित किया है। वहीं चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने अपनी एक खबर में कहा कि ईस्टर्न थिएटर कमान ने ताइवान द्वीप के उत्तर, दक्षिण और पूर्व में जलक्षेत्र में व्यापक अभ्यास किया। कमान ने कहा कि सैन्य अभ्यास का उद्देश्य एकीकृत अभियान, परिचालन नियंत्रण हासिल करने और बहु-दिशात्मक सटीक हमले करने की सैनिकों की क्षमताओं का परीक्षण करना था।

> कमान ने कहा कि सैन्य अभ्यास का उद्देश्य एकीकृत अभियान, परिचालन नियंत्रण हासिल करने और बहु-दिशात्मक सटीक हमले करने की सैनिकों की क्षमताओं का परीक्षण करना था।

उनको राजनीति करनी ही नहीं चाहिए जो इसे पार्ट टाइम समझते हैं : योगी पर अखिलेश का तंज

एजेंसी

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज करते हुए कहा कि उनको राजनीति करनी ही नहीं चाहिए जो इसे पार्ट टाइम समझते हैं।सपा प्रमुख ने योगी आदित्यनाथ के एक बयान पर तंज किया, जो उन्होंने पीटीआई-भाषा के साथ एक विशेष साक्षात्कार के दौरान व्यक्त किया। यादव ने कहा, दरअसल उनको राजनीति करनी ही नहीं चाहिए जो इसे पार्ट टाइम (अंश कालिक) समझते हैं, क्योंकि सच्ची राजनीति सेवा का क्षेत्र होती है जिसके लिए दिन के 24 घंटे और पूरा जीवन भी कम होता है।साक्षात्कार में एक सवाल के जवाब में योगी ने कहा राजनीति मेरे लिए फुल टाइम जॉब नहीं है। फिलहाल, हम यहां काम कर रहे हैं। मगर असल में मैं एक योगी हूं। जब तक हम यहां हैं, हम काम कर रहे हैं। इसकी भी एक समय सीमा होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी प्राथमिक भूमिका उत्तर प्रदेश के लोगों की सेवा करना है, जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उन्हें सौंपा है।

> साक्षात्कार में एक सवाल के जवाब में योगी ने कहा राजनीति मेरे लिए फुल टाइम जॉब नहीं है। फिलहाल, हम यहां काम कर रहे हैं। मगर असल में मैं एक योगी हूं। जब तक हम यहां हैं, हम काम कर रहे हैं। इसकी भी एक समय सीमा होगी।

योगी ने क्या कहा था

संसद भवन में वक्फ संशोधन विधेयक चर्चा और पारित होने के लिए रखा गया है। आदित्यनाथ ने अपने राजनीतिक भविष्य के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि वह राजनीति को अपने लिए पूर्णकालिक नौकरी के रूप में नहीं देखते हैं। आदित्यनाथ ने कहा कि देखिए, मैं राज्य का मुख्यमंत्री हूं, पार्टी ने मुझे उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए यहां रखा है

अखिलेश का ट्वीट

अखिलेश ने इस टिप्पणी पर कहा कि जो लोग राजनीति को अंशकालिक नौकरी समझते हैं, उन्हें इसमें बिल्कुल भी नहीं आना चाहिए। सपा अध्यक्ष ने कल शाम एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ₹वास्तव में, जो लोग राजनीति को अंशकालिक नौकरी समझते हैं, उन्हें इसमें बिल्कुल भी नहीं आना चाहिए, क्योंकि 'सच्ची राजनीति सेवा का क्षेत्र है' जिसके लिए दिन के 2 घंटे और पूरा जीवन भी पर्याप्त नहीं है।₹ अखिलेश की यह टिप्पणी ऐसे दिन आई है, जब लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के लिए

भारतीय नौसेना का बड़ा एक्शन

आईएनएस तरकश ने 2500 किलोग्राम मादक पदार्थ किए जब्त

> 31 मार्च को गश्त के दौरान आईएनएस तरकश को भारतीय नौसेना के पी8आई विमान से संदिग्ध जहाजों के बारे में खुफिया जानकारी मिली, जिनके बारे में माना जाता है कि वे मादक पदार्थों की तस्करी सहित अवैध गतिविधियों में लिप्त हैं। इसके बाद नौसेना ने फ्रिगेट का मार्ग बदल दिया और एक नाव को रोकने से पहले आस-पास के कई जहाजों की जांच की।

एजेंसी

भारतीय नौसेना के पश्चिमी नौसेना कमान के अंतर्गत संचालित होने वाले फ्रिगेट आईएनएस तरकश ने हिंद महासागर में 2,500 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थों को रोका और जब्त किया। यह अभियान क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा प्रयासों के तहत चलाया गया। 31 मार्च को गश्त के दौरान आईएनएस तरकश को भारतीय नौसेना के पी8आई विमान से संदिग्ध जहाजों के बारे में खुफिया जानकारी मिली, जिनके बारे में माना जाता है कि वे मादक पदार्थों की तस्करी सहित अवैध गतिविधियों में लिप्त हैं। इसके बाद नौसेना ने फ्रिगेट का मार्ग बदल दिया और एक नाव को रोकने से पहले आस-पास के कई जहाजों की जांच की।मरीन कमांडो सहित नौसेना की एक टीम ने जहाज की तलाशी ली और उसमें मादक पदार्थों से भरे सीलबंद पैकेट पाए। विस्तृत जांच में लगभग 2,500 किलोग्राम मादक पदार्थ पाए गए, जिसमें 2,386 किलोग्राम हशीश और 121 किलोग्राम हेरोइन शामिल थी। क्षेत्र में अन्य तस्करी अभियानों से संभावित संबंधों के बारे में ढो के चालक दल से पूछताछ की गई। यह जब्ती अंतरराष्ट्रीय जल में अवैध गतिविधियों से निपटने के उद्देश्य से चल रहे समुद्री सुरक्षा अभियानों का हिस्सा है।

जहाज ने संदिग्ध जहाजों को रोकने के लिए अपने टास्क को बदल दिया। आसपास के इलाकों में सभी संदिग्ध जहाजों से पूछताछ करने के बाद, आईएनएस तरकश ने इंटरसेप्ट किया। वहां एक संदिग्ध धौ पर सवार हो गया, जो मुंबई में और मैरीटाइम ऑपरेशंस सेंटर के साथ कॉर्डिनेटर के तौर पर काम कर रहा है। एक विशेषज्ञ बोर्डिंग टीम, मरीन कमांडो के साथ, संदिग्ध पोत पर सवार हुई और पूरी तरह से खोज की, जिससे अलग-अलग सील पैकेटों की खोज हुई। आगे की खोज और पूछताछ में 2,500 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थों का पता चला है। इसके अलावा 121 किलोग्राम हेरोइन अलग-अलग कार्गो होल्ड्स और डिब्बों में रखा गया था।

दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी अस्वीकार्य, तृणमूल 4-5 अप्रैल को पूरे बंगाल में विरोध प्रदर्शन करेगी: ममता

> मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी के फैसले के खिलाफ 4-5 अप्रैल को हर ब्लॉक और वार्ड में विरोध प्रदर्शन करेगी।

एजेंसी

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस दवाओं की कीमतें बढ़ाने के केंद्र के फैसले के विरोध में 4-5 अप्रैल को पूरे राज्य में प्रदर्शन करेगी। बनर्जी ने दवाओं की कीमतों में वृद्धि को तत्काल वापस लेने की भी मांग की। उन्होंने यहां राज्य सचिवालय में संवाददाताओं से कहा, दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी के फैसले से मैं स्तब्ध हूं। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। मैं मूल्य वृद्धि को तत्काल वापस लेने की मांग करती हूं। मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी के फैसले के खिलाफ 4-5 अप्रैल को हर ब्लॉक और वार्ड में विरोध प्रदर्शन करेगी। बनर्जी ने सभी समुदायों के लोगों से रामनवमी के दौरान शांति बनाए रखने और किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने की अपील भी की।

'खाता न बही जो वक्फ कहे वही सही':अनुराग ठाकुर

> अनुराग ठाकुर ने कहा कि नया कानून कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति के ताबूत में आखिरी कील साबित होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वक्फ विधेयक का विरोध कर रही है क्योंकि उन्होंने वक्फ की जमीन का बड़ा हिस्सा हड़प लिया है और उन्हें डर है कि उनका पदार्फाश हो जाएगा।

एजेंसी

लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पर बोलते हुए भाजपा सांसद

लोकसभा में बोले अनुराग ठाकुर, देश का दूसरा विभाजन नहीं होने देंगे

अनुराग ठाकुर ने विपक्षी दलों पर इस विधेयक का विरोध करने के लिए निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विभाजन धार्मिक आधार पर हुआ था, इसलिए हम देश का दूसरा विभाजन नहीं होने दे सकते। ठाकुर ने कहा कि भारत ने 1947 में विभाजन देखा है। वह विभाजन एक परिवार और एक पार्टी की वजह से हुआ था। आज हम भूमि जिहाद के नाम पर दूसरा विभाजन नहीं होने देंगे। हम ऐसा नहीं होने देंगे। भारत को वक्फ बोर्ड के डर से मुक्ति चाहिए।

वक्फ भ्रष्टाचार का अड्डा

अनुराग ठाकुर ने कहा कि नया कानून कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति के ताबूत में आखिरी कील साबित होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वक्फ विधेयक का विरोध कर रही है क्योंकि उन्होंने वक्फ की जमीन का बड़ा हिस्सा हड़प लिया है और उन्हें डर है कि उनका पदार्फाश हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वक्फ भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वक्फ संशोधन बिल अन्याय की जड़ पर प्रहार है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस जाति, धर्म, क्षेत्र के नाम पर बांटती है। भाजपा सांसद ने कहा कि ये बिल नहीं बल्कि उम्मीद (एकीकृत वक्फ प्रबंधन सशक्तिकरण, दक्षता और विकास) है। इस उम्मीद में सशक्तिकरण है, दक्षता है और विकास है। इसे देखते हुए देश के लोग इसका समर्थन कर रहे हैं। कैथोलिक बिशप कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया, चर्च ऑफ भारत, केरल काउंसिल ऑफ चर्चेज और केरल कैथोलिक बिशप काउंसिल, ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल और मुस्लिम राष्ट्रीय मंच जैसे कई संगठनों ने इसका समर्थन किया है। मैं इसके लिए उनका धन्यवाद करता हूँ।

राहुल पर वार

उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि वक्फ में संशोधन किया जाए क्योंकि ये अत्याचार और भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। अब समय आ गया है कि इसे खत्म किया जाए

संक्षेप

यौन शोषण का आरोपी ठेकेदार गिरफ्तार

बांदा में नौकरी का झांसा देकर किया था रेप, 14 दिन की न्यायिक हिरासत

बांदा , तीन युवतियों के साथ यौन शोषण के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। सिंचाई विभाग के ठेकेदार लोकेंद्र प्रताप सिंह को 11 दिन की तलाश के बाद पकड़ा गया है। कोर्ट ने आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामला 22 मार्च का है, जब तीन पीड़ित युवतियों ने नगर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी। एसपी अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपियों में लोकेंद्र प्रताप सिंह के अलावा गुटका व्यवसायी स्वतंत्र साहू और हीरो एजेंसी संचालक आशीष अग्रवाल शामिल हैं। पुलिस ने इस मामले में पहले ही मुख्य मास्टरमाइंड और दलाल नवीन विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। उस पर मानव तस्करी सहित गंभीर धाराएं लगाई गई हैं। बाकी दो आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। जांच में सामने आया है कि तीनों आरोपी पिछले 6 महीने से युवतियों को नौकरी का लालच देकर उनका यौन शोषण कर रहे थे। पीड़िताओं के बयान और वीडियो साक्ष्य के आधार पर मामले की जांच सीओ सिटी को सौंपी गई थी। शासकीय अधिवक्ता के अनुसार, जांच में मिले साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

युवती ने किचन में फांसी लगाकर दी जान

फोन पर मंगेतर से हुआ था विवाद, अगले साल फरवरी में होनी थी शादी

बांदा, जसपुरा के गौरी कला गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां 22 वर्षीय युवती ने मंगेतर से फोन पर हुए विवाद के बाद किचन में फांसी लगाकर जान दे दी। मृतका की पहचान सिमांशी के रूप में हुई है। वह सिंचाई विभाग के रिटायर्ड जिलेदार कमल किशोर की सबसे छोटी बेटी थी। उसकी शादी बिसंडा थाना क्षेत्र के बेलगांव में तय हुई थी। शादी फरवरी 2026 में होनी थी। सिमांशी अपनी मां रतनिया के साथ टीवी वाले कमरे में थी। वह मंगेतर से फोन पर बात कर रही थी। इसी दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। गुस्से में सिमांशी ने किचन में लगे लोहे के पाइप पर दुपट्टे से फांसी लगा ली। काफी देर बाद जब मां की नींद खुली तो उन्होंने सिमांशी को कमरे में नहीं पाया। किचन में जाकर देखा तो वह फंदे पर लटक रही थी। परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पिता ने बताया कि पहले वे बेटी को फोन पर बात करने से मना करते थे। बाद में उसे इजाजत दे दी गई। उनका मानना है कि फोन पर हुए विवाद के कारण ही बेटी ने यह कदम उठाया। सिमांशी चार बहनों में सबसे छोटी थी।

करेली में झुग्गी-झोपड़ी में लगी आग

माफिया अतीक अहमद के गुर्गे की बसाई कॉलोनी के पास आग से हड़कंप

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, करेली इलाके में माफिया अतीक अहमद के गुर्गे की तरफ से बसायी कॉलोनी के पास स्थिति झुग्गी-झोपड़ी में मंगलवार की रात अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग फैलने लगी। आग का विकराल रूप देखकर मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

लोग आग पर काबू करने का प्रयास करते रहे, लेकिन किसी को सफलता नहीं मिली। लोगों ने दमकल को आग की सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद किसी प्रकार आग पर काबू पाया। जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली। माफिया अतीक अहमद के करीबी रहे अब्बास ने करेली में मैक टाउन के नाम से कालोनी बसायी थी। मंगलवार की रात कालोनी के पास नाले के समीप बसी झोपड़ पट्टी में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग को देखकर मौके पर अफरा तफरी मच गई। झोपड़ी में रहने वाले लोग भी अपना सामान समेटने में जुट गए। उधर आग को बढ़ता देख स्थानीय लोग उसे बुझाने में लग गए। उसके बाद भी लोग आग पर काबू नहीं कर सके। आखिरकार लोगों ने फायर डिपार्टमेंट को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल के लोग15 मिनट में मौके पर पहुंच गए। करेली के झोपड़ पट्टी में लगी आग को काबू करने में दमकल के कर्मचारियों को करीब दो घंटे तक कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। उसके बाद किसी तरह आग पर काबू पाया जा सका।

हालांकि इतनी देर में पांच झोपड़ियां जलकर समाप्त हो चुकी थी। स्थानीय लोग भी राहत और बचाव कार्य में जुट गए। वहीं आग के कारणों को लेकर दमकल कर्मियों का कहना है कि झोपड़पट्टी में रहने वालों ने कटियामारी करके रखी थी।

इसके कारण ही अचानक शार्टसर्किट हुआ। जिससे चिंगारी निकली और झोपड़ी में आग लग गई। आग की वजह से झारखंड और फिरोजाबाद के रहने वाले कई परिवारों का लाखों का नुकसान हो गया और पूरी गृहस्थी जलकर खाक हो गई।

नैनी जिला जेल में डिप्टी जेलर की विदाई

38 साल की सेवा के बाद के एस दिवाकर को भव्य विदाई, जेल परिसर में गूंजे ढोल-नगाड़े

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, नैनी जिला जेल में एक भावुक पल देखने को मिला। डिप्टी जेलर के एस दिवाकर की सेवानिवृत्ति पर भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। वरिष्ठ जेल अधीक्षक अमिता दुबे और जेलर एसपी सिंह ने फूल मालाओं से उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में ढोल-नगाड़ों की थाप पर खुशी का माहौल बना। इस अवसर पर मिठाइयां भी बांटी गईं। के एस दिवाकर ने 11 नवंबर 1987 से कारागार विभाग में अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने 38 वर्षों तक पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपना कर्तव्य निभाया। जिला कारागार प्रयागराज में उन्होंने 5 जुलाई 2023 से विशेष योगदान दिया। वरिष्ठ जेल अधीक्षक अमिता दुबे ने कहा कि

जिला जेल नैनी में सभी जेलर, डिप्टी जेलर और अन्य कर्मचारी एक परिवार की तरह हैं। उन्होंने दिवाकर के योगदान को सराहनीय बताया।

अमेठी में रक्तदान शिविर

- पुलिस कर्मियों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान, 30 से अधिक लोगों ने दिया योगदान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, मुसाफिरखाना में इंटरनेशनल ब्लड डोनेशन अवेयरनेस कैंपेन के अंतर्गत एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। भगवती मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट और यूपी पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में तीन दर्जन से अधिक लोगों ने रक्तदान किया। शिविर में उत्तर प्रदेश पुलिस के मोहित गुजर, शिवदयाल राठौर, दीपक यादव, निर्भय गुजर, अखिलेश राठौर, शुभम मिश्रा, विक्रम भदौरिया और वरुण भदौरिया ने सक्रिय भागीदारी की। पत्रकार जगत से जितेंद्र सोनी और विजय सिंह ने भी रक्तदान किया। समाजसेवी राहुल विद्यार्थी भी इस नेक कार्य में शामिल हुए। भगवती मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रक्तदान न केवल दूसरों की जान बचाता है, बल्कि दाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है। यूपी पुलिस के

अधिकारियों ने कहा कि पुलिस विभाग ऐसे सामाजिक कार्यों में हमेशा सहयोग करने को तत्पर रहता है। मौजूद पत्रकारों ने भी लोगों से रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की। कार्यक्रम के समापन पर भगवती मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट ने सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया।

भट्ठा मजदूर को मारी गोली

आठ माह पूर्व भट्ठा मालिक भाजपा नेता पर भी हुआ था हमला

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, कुड़वार में अपराध की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ताजा मामले में एक ईंट भट्टे पर काम करने वाले मजदूर पर जानलेवा हमला हुआ है। मजदूर के बाएं पैर में गोली लगी है। उसका राजकीय मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। घटना उतमानपुर स्थित एक ईंट भट्टे की है। भट्ठा भाजपा नेता श्याम सुंदर सिंह उर्फ लहूरी सिंह का है। पीड़ित मजदूर हरि श्याम (26) अमेठी जिले के भटमऊ का रहने वाला है। मंगलवार रात को वह भट्टे पर झोकाई कर रहा था। इसी दौरान कुछ लोग वहां आए। उन्होंने मजदूर को नीचे आने को कहा। मजदूर ने काम में व्यस्त होने की बात कही। इस पर हमलावर ऊपर आ गए और गालियां देने लगे। फिर उन्होंने हरि श्याम के पैर

में गोली मार दी। घायल मजदूर को पहले सीएचसी कुड़वार ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। सीओ सिटी प्रशांत सिंह ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इससे पहले अगस्त 2024 में भट्ठा मालिक और भाजपा नेता लहुरी सिंह पर भी हमला हुआ था। बोलेरो सवार बदमाशों ने उनका पीछा किया और कुड़वार बाजार की गली में रोक लिया। बदमाशों ने उन्हें असलहे की बट से पीटा और जान से मारने की धमकी दी। हमलावरों ने दो राउंड फायरिंग भी की थी।

पति के चचेरे भाई ने दी धमकी

- महिला का आरोप-संबंध बनाने का बनाया दबाव, विरोध करने पर अश्लील फोटो की धमकी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, एक महिला ने अपने ससुराल पक्ष के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पति के चचेरे भाई पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मुस्लिम रीति-रिवाज से हुई शादी के कुछ दिन बाद ही पारिवारिक विवाद शुरू हो गया। महिला का आरोप है कि पति का चचेरा भाई उससे जबरन संबंध बनाना चाहता था। उसने धमकी दी कि अगर महिला ने उसकी बात नहीं मानी तो वह उसके पति को जान से मार देगा। महिला ने जब इसका विरोध किया तो पति ने उसे घर से निकाल दिया। अब वह अपने मायके में रह रही है। आरोपी अब उसे शादी के लिए दबाव बना रहा है। उसने धमकी दी है कि अगर महिला शादी के लिए मना करेगी तो वह उसकी अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। पीड़िता के अनुसार,

आरोपी ने पहले ही उसकी कुछ फोटो फेसबुक और इंस्टाग्राम पर डाल दी हैं। इससे समाज में उसकी बदनामी हो रही है। महिला ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

भावसिंहपुर टीकाकरण उपकेंद्र का जिला प्रतिरक्षा अधिकारी ने किया निरीक्षण

एएनएम और सीएचओ को दिए सुधार के निर्देश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, भवसिंहपुर के आयुष्मान आरोग्य मंदिर टीकाकरण उपकेंद्र में बुधवार को जिला प्रतिरक्षा अधिकारी डॉ. महेंद्र कुमार त्रिपाठी ने औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण में केंद्र की स्थिति संतोषजनक नहीं मिली। डॉ. त्रिपाठी ने पाया कि केंद्र में केवल तीन गर्भवती महिलाओं और पांच बच्चों का टीकाकरण हुआ था। उन्होंने सीएचओ सुरेंद्र कुमार और एएनएम खुशबू को टीकाकरण बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही अधिक से अधिक लाभार्थियों तक पहुंच बनाने को कहा। जिला प्रतिरक्षा अधिकारी ने एएनएम से टीकाकरण संबंधी जानकारियां लीं।

उन्होंने समय पर टीकाकरण न होने से होने वाली बीमारियों के बारे में भी पूछा। डॉ. त्रिपाठी ने टीकाकरण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा। स्वास्थ्य कर्मियों को सतर्क रहने की सलाह दी। निरीक्षण के दौरान बीपीएम शंभू नाथ पांडे और अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

वक्फ बिल पेश होने पर मुस्लिमों ने बांटे लड्डू

अलीगढ़ में ढ़ोल बजाकर मनाई खुशियां, दारा शिकोह फाउंडेशन ने बिल के पक्ष में की दुआएं

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, केंद्र सरकार के वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ जहां एक ओर देश भर में मुस्लिम समाज के लोग इसका विरोध कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर अलीगढ़ में मुस्लिमों ने ही इस बिल का दिल खोलकर स्वागत किया है। उन्होंने बिल पेश होने पर लड् ?डू बांटे और ढ़ोल बजाकर खुशियां मनाई। दारा शिकोह फाउंडेशन के अध्यक्ष मोहम्मद आमिर रशीद के साथ संगठन के पदाधिकारियों ने पहले पीएम नरेंद्र मोदी की तस्वीर को लड्डू खिलाया, इसके बाद एक दूसरे का मुंह मीठा कराया। उन्होंने हर आने जाने वालों को लड् ?डू खिलाकर बिल पेश होने की बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह बिल गरीब और जरूरतमंद मुस्लिमों

के हक में है। फाउंडेशन के अध्यक्ष मोहम्मद आमिर रशीद ने कहा कि वक्फ संशोधन बिल 2024 जो मोदी सरकार ने संसद में पेश किया है, उसके लिए उनके फाउंडेशन के हर सदस्य ने दुआ मांगी है। उन्होंने कहा कि इस बिल के बाद वक्फ का पुराना काला कानून खत्म हो जाएगा और इसका अंत होगा। क्योंकि इस काले कानून की आड़ में बहुत सारे लोगों की जमीनें छीनी गई हैं और इस पर भू-माफियाओं ने अपना कब्जा कर लिया है। यह बिल आने के बाद किसी गरीब के ऊपर अत्याचार नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यह बिल तत्काल संसद में पास हो जाना चाहिए, इसके लिए उन्होंने अल्लाह से दुआ भी की है। मुस्लिमों के जश्न के दौरान बड़ी संख्या में फाउंडेशन के लोग मौजूद रहे। अध्यक्ष के साथ मुस्लिम धर्मगुरु चौ. हफराहीम हुसैन समेत बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज के लोग पहले इस बिल को समझे, इसके बाद सरकार का विरोध करें। किसी के बहकावे में आकर बिल्कुल भी माहौल खराब न करें। यह बिल मुस्लिमों के हक में ही है।

ट्रेन में चली तलवार :सीट को लेकर हुआ विवाद

सरदार ने युवक को घायल किया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, जंक्शन पर बुधवार को ट्रेन में तलवार चली। सचखंड एक्सप्रेस ट्रेन में सीट को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। सरदार ने टफ पर तलवार से हमला कर घायल कर दिया। रेलवे पुलिस ने 4 आरोपियों को हिरासत में लिया है। महाराष्ट्र के नांदेड़ से चलकर पंजाब के अमृतसर जाने वाली सचखंड एक्सप्रेस बुधवार दोपहर मथुरा जंक्शन पहुंची। ट्रेन में आगरा से टफ प्रवीण जनरल कोच में चढ़े। जहां उसने एक सीट पर बैठने की बात कही। इसी दौरान ट्रेन में पहले से बैठे कुछ सरदारों से विवाद हो गया। इस विवाद में सरदार ने तलवार से प्रवीण पर हमला कर दिया। इसमें वह बुरी तरह घायल हो गए। ट्रेन के अंदर तलवारबाजी होने से मौके पर हड़कंप मच गया। हंगामा की सूचना मिलते ही जीआरपी मथुरा जंक्शन के थाना प्रभारी फोर्स के साथ पहुंच गए। हमला करने वाले 4 लोगों को हिरासत में ले लिया। हंगामे के बाद ट्रेन करीब एक घंटे मथुरा जंक्शन पर खड़ी रही। इसके बाद दोपहर करीब 2 बजे रवाना हुई। सरदारों ने आरोप लगाया कि 5-6 लड़के ट्रेन में ग्रुप में बैठे थे।

अभियान में बड़ी कार्रवाई

मोहनगंज पुलिस ने युवक को स्मैक के साथ दबोचा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, पुलिस ने नशा मुक्त अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। मोहनगंज थाना पुलिस ने एक युवक को 45 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में चल रहे विशेष अभियान के दौरान यह कार्रवाई की गई। क्षेत्राधिकारी तिलोई अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में मोहनगंज थाना प्रभारी राकेश कुमार सिंह और उनकी टीम ने यह सफलता हासिल की। 2 अप्रैल को दोपहर करीब 11:55 बजे मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई की।

भ्रष्टाचार आरोपी समाज कल्याण अधिकारी और बाबू निलंबित

अमेठी में मोबाइल छीनकर खाते में ट्रांसफर किए थे रुपए, मंत्री ने दिया जांच का आदेश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, भ्रष्टाचार के एक गंभीर मामले में जिला समाज कल्याण अधिकारी मनोज कुमार शुक्ल और प्रधान सहायक गोकुल प्रसाद जायसवाल को निलंबित कर दिया गया है। मामला तब सामने आया जब बाबू गोकुल प्रसाद ने समाज कल्याण मंत्री को शिकायत पत्र सौंपा। उन्होंने आरोप लगाया कि 26 दिसंबर 2024 को जिला समाज कल्याण अधिकारी ने

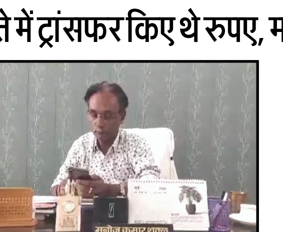

जबरन उनका मोबाइल छीन लिया। अधिकारी ने वढक पासवर्ड का उपयोग कर 40,000 रुपए अपनी पत्नी डॉ. अंजू शुक्ला के खाते में ट्रांसफर करवा लिए। दूसरी तरफ, मनोज कुमार शुक्ल ने बाबू पर रिश्वत लेने का आरोप लगाया। उन्होंने एक कथित वीडियो फुटेज भी जांच अधिकारी को सौंपा। लेकिन घटना के दिन कार्यालय का सीसीटीवी फुटेज नहीं मिला। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने अयोध्या मंडल के उप निदेशक को जांच के निर्देश दिए। जांच में दो गवाहों, ईश्वर लाल और राजकुमार ने घटना की पुष्टि की। इसके बाद अयोध्या मंडल के उप निदेशक राकेश रमन ने पुलिस को रिपोर्ट सौंपी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा एफ.एल.टी.-एल.जी.-75, आर.एम. 4/4, इंदिरा नगर, सुंदर बाग, आर.डी. कुर्ला (प.) मुम्बई, 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं एस.आर. पब्लीकेशन, मोहन अर्जून कम्पाउंड गोदाम नं. 8,9,10 नीयर घाटन पाड़ा, वैशाली नगर, लास्ट बस स्टाप, दहिसर (पूर्व), मुम्बई 400068 महाराष्ट्र से मुद्रित।। सम्पादक- खुशीराम शर्मा ।।
EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 02248253669,8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173 संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001 भारत संवाद सिटी ऑफिस- फ्लैट नंबर 24, सेकंड फ्लोर, कांटेक्टर बिल्डिंग, ब्लार्ड स्टेट, वजू कोटक मार्ग, शहीद भगत सिंह रोड, फोर्ट, मुंबई 400001 महाराष्ट्र।